



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रकने करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnagnews.com

दैनिक सांध्यकालीन

वर्ष : 38, अंक : 76 ग्वालियर, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026

डाक पंजीयन

RNI रजि. क्र. 50069/89

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह, 67 स्वर्ण पदक और 368 उपाधियां प्रदान

उपाधियां प्रतिभा का प्रमाण, राष्ट्रसेवा का संकल्प भी : पटेल

ग्वालियर जीएनएस

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का गौरवपूर्ण क्षण होता है। उपाधियां प्रतिभा का प्रमाण होने के साथ कला, संगीत और संस्कृति के माध्यम से समाज व राष्ट्रसेवा का संकल्प भी हैं। शिक्षा तभी शोभायमान होती है, जब उसमें संस्कृति की संवेदना हो। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय कला और संगीत को विश्व पटल पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने तथा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान

देने का आह्वान किया।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय का सप्तम दीक्षांत समारोह शुक्रवार को राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित हुआ। समारोह में वर्ष 2024-25 और 2025-26 के विद्यार्थियों को कुल 67 स्वर्ण पदक और 368 उपाधियां प्रदान की गईं। विभिन्न संकायों की 14 शोध उपाधियां भी प्रदान की गईं।

राज्यपाल ने कहा कि कला और संस्कृति किसी भी राष्ट्र की



नौव मजबूत करती हैं। इनके बिना राष्ट्र का विकास अधूरा है। नई पीढ़ी को संगीत और कला के क्षेत्र में शोध, नवाचार और अनुसंधान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने विलुप्त हो रहे लोक संगीत और

कलाओं के संरक्षण तथा संवर्धन पर जोर देते हुए कहा कि युवा अपनी कला साधना से भारत का सांस्कृतिक उत्थान कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब, वंचित और

प्रतिभावान बच्चों के विकास में सहयोग करने का आह्वान भी किया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात शास्त्रीय गायक पं. अजय पोहनकर ने भजन और ठुमरी की प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्कृति, पर्यटन एवं धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि उपाधि प्राप्त विद्यार्थी अपनी कला को व्यवसाय के साथ जीवन की साधना भी बनाएं और आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहें। संस्कृति शिक्षा उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव अतुल कोठारी ने

शिक्षा में भौतिकता और आध्यात्मिकता के समन्वय तथा चरित्र निर्माण पर जोर दिया।

विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने विद्यार्थियों को सत्य, कर्तव्य और जनकल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प दिलाया। समारोह में विश्वविद्यालय की दीक्षांत स्मारिका का विमोचन किया गया। छात्राओं ने भरतनाट्यम और शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, पूर्व कुलगुरु, शिक्षक, विद्यार्थी और अन्य अतिथि मौजूद रहे।

विमानतल पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने किया स्वागत

दो दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे राज्यपाल मंगुभाई पटेल



ग्वालियर जीएनएस

राज्यपाल मंगुभाई पटेल गुरुवार को दो दिवसीय प्रवास पर ग्वालियर पहुंचे। दोपहर 12 बजे

राजकीय विमान से महाराजपुरा स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया विमानतल पर पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों

ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट किए गए। स्वागत करने वालों में सांसद भारत सिंह कुशवाह, कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला, संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत तथा जनप्रतिनिधि दीपक शर्मा और राजू पलैया शामिल रहे।

इस अवसर पर संभागीय आयुक्त मनोज खत्री, डीआईजी अमित यादव, कलेक्टर रुचिका चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

मुरैना जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को जन-विश्वास अभियान के तहत मुरैना स्थित दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने वहां

मुरैना में दिव्यांगजनों से किया संवाद, व्यवस्थाओं का जायजा लेकर अधिकारियों को दिए निर्देश

मौजूद दिव्यांगजनों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को केंद्र की

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने तथा दिव्यांगजनों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में दिशा-निर्देश दिए।

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में विशेष न्यायालय गठित

पेपर लीक और नकल के मामलों की सुनवाई के लिए चार महानगरों में फास्ट ट्रैक कोर्ट

भोपाल जीएनएस

मध्यप्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं और बोर्ड परीक्षाओं में नकल तथा पेपर लीक की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए राज्य शासन ने सख्त कदम उठाया है। इन मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में चार विशेष फास्ट ट्रैक न्यायालय गठित किए गए हैं। राज्य शासन ने इन न्यायालयों में मामलों की प्रभावी पैरवी के लिए विशेष अभियोजकों की नियुक्ति भी की है। शासन के अनुसार, फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने वाला

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में फास्ट ट्रैक न्यायालयों के गठन के निर्देश दिए थे। इसके बाद राज्य शासन और उच्च न्यायालय के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के मामलों की शीघ्र सुनवाई की व्यवस्था की गई। इन न्यायालयों में आरोप पत्र दाखिल होने के तीन महीने के भीतर विचारण पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों के

नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए गए हैं, जो ऐसे मामलों की जांच करेंगे।

चार महानगरों में न्यायालयों का कार्यक्षेत्र निर्धारित

भोपाल : भोपाल स्थित फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय में भोपाल, सीहोर, रायसेन, बैतूल, नर्मदापुरम, हरदा, राजगढ़ और विदिशा जिलों से संबंधित मामलों की सुनवाई होगी।

इंदौर : इंदौर स्थित विशेष न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में इंदौर, धार, रतलाम, झाबुआ,

मंदसौर, उज्जैन और देवास सहित मालवा-निमाड़ क्षेत्र के निर्धारित जिले शामिल होंगे।

ग्वालियर : ग्वालियर स्थित फास्ट ट्रैक न्यायालय में ग्वालियर, भिंड, मुरैना, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोकनगर और टीकमगढ़ जिलों से संबंधित मामलों की सुनवाई की जाएगी।

जबलपुर : जबलपुर स्थित विशेष न्यायालय में जबलपुर, सागर, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा और शहडोल सहित महाकौशल तथा बुंदेलखंड के निर्धारित जिलों के मामले सुने जाएंगे।

सहकारिता विभाग के उप सचिव पद से स्थानांतरित होकर आए

पवन कुमार जैन ने भिण्ड कलेक्टर का पदभार संभाला



भिण्ड जीएनएस

नवागत कलेक्टर पवन कुमार जैन ने गुरुवार को भिण्ड कलेक्टर का पदभार ग्रहण कर लिया। वे 2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा

(आईएएस) अधिकारी हैं। इससे पहले वे सहकारिता विभाग में उप सचिव के पद पर पदस्थ थे। राज्य शासन ने उन्हें स्थानांतरित कर भिण्ड कलेक्टर की जिम्मेदारी सौंपी है।

निजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियां साक्षात्कार के माध्यम से देंगी नौकरियां

खनियाधाना में 22 अक्टूबर को आयोजित होगा युवा संगम रोजगार मेला; युवाओं को मिलेंगे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

शिवपुरी, जीएनएस।
मुख्यमंत्री जन विश्वास एवं सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के युवाओं को एक ही मंच पर रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में प्रत्येक माह निर्धारित दिवस पर आयोजित होने वाले युवा संगम

कार्यक्रम के क्रम में आगामी 22 अक्टूबर 2026 को जनपद पंचायत भवन खनियाधाना, जिला शिवपुरी में जिला स्तरीय रोजगार मेले का भव्य आयोजन किया जाएगा।
जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम एवं कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, उच्च शिक्षा विभाग तथा राज्य

ग्रामीण आजीविका मिशन के समन्वय से इस रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे होगा। इस मेले के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत हितलाभ वितरित किए जाएंगे।
युवा संगम रोजगार मेले में

निजी क्षेत्र की कई नामचीन कंपनियां शामिल हो रही हैं, जो योग्य युवाओं का साक्षात्कार लेकर ऑन-स्पॉट रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी।
इस मेले में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियों में निम्नलिखित शामिल हैं, जिसमें चेकमेट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड गुजरात, फोनपे प्राइवेट लिमिटेड शिवपुरी, ग्रेट ऑर्गेनिक प्राइवेट लिमिटेड सागर, मंदरसन प्राइवेट लिमिटेड

अहमदाबाद, बी.एस.एस. सोनाटा माइक्रो क्रेडिट शिवपुरी-ग्वालियर, एलाइड रिसोर्स मैनेजमेंट सर्विस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ब्लिंकिट प्राइवेट लिमिटेड अहमदाबाद, भारतीय जीवन बीमा निगम शिवपुरी शामिल है।
पात्रता एवं आयु सीमा
इस रोजगार मेले में ऐसे सभी बेरोजगार युवा जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं, 12वीं,

स्नातक या आईटीआई उत्तीर्ण है और जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष के बीच है, वे भाग ले सकते हैं। जिला प्रशासन एवं रोजगार विभाग ने खनियाधाना और आसपास के सभी इच्छुक आकांक्षी युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने समस्त मूल दस्तावेजों और बायोडाटा के साथ उपस्थित होकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं।

श्री साई बाबा समाधि दिवस पर आरती एवं प्रसादी वितरण सम्पन्न, इन्द्रगंज चौराहा साई भजनों से गुंजायमान

ग्वालियर, जीएनएस।
साई श्रद्धा सबुरी सेवा दल समिति द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री साई बाबा का समाधि दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया।
समिति के अध्यक्ष संजय कट्टल ने बताया कि समस्त साई भक्तों को ज्ञात हो कि साई बाबा जी ने 15 अक्टूबर 1918 को दोपहर 2-30 बजे शिरडी (महाराष्ट्र) में समाधि ली थी। उन्हीं की पावन स्मृति में हर वर्ष समिति इस दिन को समाधि दिवस के रूप में मनाती है।
इस वर्ष भी ? साई श्रद्धा सबुरी सेवा दल समिति के तत्वावधान में दिनांक 15 अक्टूबर 2026, गुरुवार को दोपहर 12



बजे से इन्द्रगंज चौराहा, ग्वालियर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया।
कार्यक्रम में साई बाबा का भव्य दरबार सजाया गया, साई बाबा की आरती एवं सैकड़ों भक्तों को प्रसादी वितरण किया गया। दोपहर 2-30 बजे साई बाबा की

समाधि के क्षण पर मौन धारण किया गया, तत्पश्चात आरती की गई। समिति अध्यक्ष संजय कट्टल ने बताया कि सैकड़ों साई भक्तों ने उक्त कार्यक्रम में श्री साईनाथ महाराज जी का आशीर्वाद प्राप्त किया और तन-मन-धन से सहयोग कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

जिला जेल मुरैना में बंदियों को दिया नर्सरी उद्योग का प्रशिक्षण

मुरैना, जीएनएस।

जिला जेल मुरैना में निरुद्ध बंदियों के कौशल विकास, सुधार एवं पुनर्वास के उद्देश्य से संचालित नर्सरी उद्योग के अंतर्गत सामाजिक वानिकी विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 11 दंडित एवं 7 विचाराधीन बंदियों को नर्सरी की स्थापना, पौध तैयार करने तथा नर्सरी प्रबंधन की तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वन विस्तार अधिकारी मुरैना श्रीकांत भारद्वाज एवं वन विस्तार अधिकारी दतिया श्री विवेक सिंह के नेतृत्व में वनरक्षक श्री बंटी सिंह, श्री निर्मल ओझा तथा तकनीकी विशेषज्ञ श्री नरेश श्रीवास ने बंदियों को पौध

तैयार करने, पौधरोपण के लिए थैलियों में मिट्टी भरने, बीज बोने, पॉटिंग मिश्रण तैयार करने और वर्मी कम्पोस्ट बनाने की विधियों की जानकारी दी। साथ ही नर्सरी की स्थापना, पौधों की देखभाल एवं समुचित प्रबंधन से संबंधित तकनीकी पहलुओं को भी समझाया गया।
प्रशिक्षकों ने बताया कि नर्सरी उद्योग कम लागत में प्रारंभ किया जा सकने वाला आजीविका का एक उपयोगी साधन है। बाजार में पौधों की मांग को देखते हुए इस क्षेत्र में स्वरोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। नर्सरी व्यवसाय के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता भी हासिल की जा सकती है।

मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट-2026 से ग्वालियर-चंबल अंचल के पर्यटन को मिली नई पहचान

ग्वालियर के ऐतिहासिक किले से मुरैना के बटेश्वर, पढ़ावली और मितावली तक पहुंचे पर्यटन प्रतिनिधि

सहजन होमस्टे में ग्रामीण व्यंजनों का लिया स्वाद, माटी कला, दरी निर्माण और लोकगीतों के माध्यम से जाना चंबल का सांस्कृतिक वैभव
मुरैना, जीएनएस।
मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा 7 से 10 अक्टूबर 2026 तक भोपाल में मध्यप्रदेश ट्रेवल मार्ट-2026 का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत देश-विदेश से आए पर्यटन प्रतिनिधियों के लिए प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों की परिचयात्मक यात्राएं आयोजित की गईं। इसी क्रम में पर्यटन प्रतिनिधियों के एक दल ने ग्वालियर-चंबल अंचल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक धरोहरों, समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और ग्रामीण पर्यटन की संभावनाओं का अनुभव प्राप्त किया।
ग्वालियर की ऐतिहासिक विरासत से बटेश्वर के प्राचीन मंदिरों तक किया भ्रमण
पर्यटन प्रतिनिधियों के दल में गुजरात के अहमदाबाद, महाराष्ट्र के मुंबई एवं ठाणे, आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम तथा दिल्ली से आए प्रतिनिधि शामिल थे। दल



ने ग्वालियर किले सहित प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया। इसके पश्चात मुरैना जिले के बटेश्वर, पढ़ावली और मितावली पहुंचकर प्राचीन मंदिरों एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधियों ने चंबल अंचल की गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विविधता को निकट से जाना।
ग्रामीण होमस्टे में पारंपरिक आतिथ्य और स्थानीय व्यंजनों का लिया आनंद
मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड एवं रागिनी फाउंडेशन के सहयोग से मुरैना जिले के ग्राम रिठोराकला, ऐंती और मितावली में 18 ग्रामीण

होमस्टे विकसित किए गए हैं। ये होमस्टे ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करने के साथ ही स्थानीय परिवारों के लिए रोजगार एवं आय के नए अवसर सृजित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ग्राम ऐंती स्थित सहजन होमस्टे में पर्यटन प्रतिनिधियों का पारंपरिक ग्रामीण आतिथ्य के साथ स्वागत किया गया। प्रतिनिधियों ने ग्रामीण परिवारों के साथ बैठकर स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लिया तथा खेती-किसानी, पारंपरिक खान-पान, रीति-रिवाजों और ग्रामीण जीवनशैली के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस अनुभव के माध्यम से उन्हें ग्रामीण परिवेश में स्थानीय

संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिला।
माटी कला, दरी निर्माण और लोकगीतों के माध्यम से जाना चंबल का सांस्कृतिक वैभव
ग्रामीण जीवन और स्थानीय कला-संस्कृति से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित गतिविधियों में पर्यटन प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। उन्होंने स्थानीय कारीगरों से माटी कला एवं दरी निर्माण की पारंपरिक तकनीकों की जानकारी प्राप्त की और स्वयं भी इन कलाओं को आजमाया। वहीं, स्थानीय लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रतिनिधियों को चंबल अंचल की समृद्ध लोक संस्कृति,

मानवीय मूल्यों से ही सशक्त एवं विकसित राष्ट्र का निर्माण संभव

मुरैना। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, मुरैना में विद्यार्थियों में नैतिक चेतना, मानवीय संवेदनशीलता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने के उद्देश्य से मानवीय मूल्यों पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एमआईटीएस डीमड विश्वविद्यालय, ग्वालियर के सहायक प्राध्यापक डॉ. गवेन्द्र नोर्के उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य श्री मनोज कुमार सक्सेना ने की। मुख्य अतिथि डॉ. गवेन्द्र नोर्के ने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी राष्ट्र की वास्तविक महानता केवल उसकी भौतिक एवं आर्थिक प्रगति से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के नैतिक आचरण, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण में भी निहित होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से दैनिक जीवन में ईमानदारी, सहानुभूति, पर्यावरण संरक्षण तथा बड़ों के प्रति सम्मान जैसे मानवीय मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया।

हार्वेस्टर में नरवाई प्रबंधन उपकरण लगाना अनिवार्य, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

पराली और नरवाई जलाने पर होगी सख्त कार्रवाई, गांव-गांव चलेगा जागरूकता अभियान

ग्वालियर, जीएनएस। खेतों में पराली और नरवाई जलाने की प्रवृत्ति रोकने के लिए ग्वालियर जिले में गांव-गांव विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से किसानों को फसल अवशेष जलाने से होने वाले नुकसान और इसके कानूनी दुष्परिणामों की जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग सहित खेती से जुड़े अन्य विभागों के अधिकारियों को इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा

कि राज्य शासन पराली एवं नरवाई प्रबंधन को प्राथमिकता दे रहा है। अधिकारी इस कार्य को गंभीरता से लें और किसानों को फसल अवशेष जलाने के बजाय उनका उचित प्रबंधन करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पराली जलाना प्रतिबंधित है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के अधिकारियों को गौशालाओं से जुड़े किसानों को अनुदान के आधार पर पराली एवं नरवाई प्रबंधन के उपकरण उपलब्ध कराने के लिए प्रकरण तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों को इन उपकरणों



का लाभ दिलाया जाए, ताकि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत, उप संचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री भानुप्रकाश शर्मा, कृषि विज्ञान

केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्र सिंह कुशवाह एवं कृषि से जुड़े अन्य विभागों एवं विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी मौजूद थे।

हार्वेस्टर में उपकरण नहीं मिले तो होगी कार्रवाई
कलेक्टर श्रीमती रुचिका

चौहान ने निर्देश दिए कि धान एवं अन्य फसलों की कटाई करने वाले हार्वेस्टर में नरवाई प्रबंधन से संबंधित उपयुक्त उपकरण अनिवार्य रूप से लगवाए जाएं। कटाई के दौरान बिना आवश्यक उपकरण के चलने वाले हार्वेस्टर के विरुद्ध जुमाने के साथ पुलिस कार्रवाई भी की जाए।

उपकरणों से होगा फसल अवशेषों का बेहतर प्रबंधन

किसानों को पराली एवं नरवाई के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर, श्रेडर और मलचर जैसे कृषि यंत्रों के उपयोग के प्रति जागरूक किया जाएगा। इनकी मदद से फसल अवशेषों को खेत में फैलाकर मिट्टी में मिलाने,

अवशेषों से गांठें बनाने अथवा खेत में ही अगली फसल की बुवाई करने में सहायता मिलती है। इससे पराली जलाने की जरूरत नहीं रहती है और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद मिलती है।

पराली जलाने से मिट्टी और पर्यावरण को नुकसान

खेतों में पराली एवं नरवाई जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है और धुएं से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे मिट्टी के उपयोगी सूक्ष्मजीवों को नुकसान पहुंच सकता है तथा मिट्टी की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। इसके अलावा आग फैलने से खेतों, आसपास की फसलों और संपत्तियों को नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है।



स्वामित्व अधिकार निष्पादन एवं पंजीयन अभियान के तहत ग्वालियर जिले में 500 से अधिक रजिस्ट्रियां हुईं

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर जिले में स्वामित्व अधिकार निष्पादन, अभिलेख एवं पंजीयन अभियान ने गति पकड़ ली है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भूमि संबंधी अभिलेखों को व्यवस्थित करने और ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार दिलाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत ग्वालियर जिले में अब तक 500 से अधिक रजिस्ट्रियां पूरी की जा

चुकी हैं। ग्राम कुलैथ, जिगसोली और सोजना सहित जिले के विभिन्न गांवों में पात्र भूमि स्वामियों के अधिकार अभिलेखों के निःशुल्क पंजीयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। इस अभियान से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज प्राप्त करने में मदद मिल रही है। साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के अधिकारों को स्पष्ट करने और भूमि संबंधी विवादों को कम करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है।

पोस्टर प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

फिरोजाबाद, जीएनएस। दाऊ दयाल महिला पीजी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग की ओर से पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 75 छात्रों ने भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान प्राचार्या प्रो. रेनु वर्मा ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि रचनात्मक गतिविधियों से छात्रों की प्रतिभा को मंच मिलता है और आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने छात्रों को पढ़ाई के साथ ऐसी गतिविधियों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में नमरा ने प्रथम, वर्षा राजपूत ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विशाखा और ताहिरा संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। अलसबा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। आयोजन में डॉ. ज्योति अग्रवाल, डॉ. शमा बी, डॉ. सरिता रानी और सुश्री मुदस्सिर जहां का सहयोग रहा।

17 और 24 को लगेंगे विशेष मतदाता शिविर

फिरोजाबाद, जीएनएस। निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कराने से छूटे लोगों और युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत जिले के सभी मतदान केंद्रों पर 17 और 24 अक्टूबर को विशेष शिविर लगाए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि दोनों दिन सभी बूथों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक मौजूद रहेंगे। बीएलओ के पास नाम शामिल कराने के लिए

फार्म-6 के साथ अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची और उसकी पूरक सूचियां उपलब्ध रहेंगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। यहां लोगों को फार्म भरने में मदद दी जाएगी। प्राप्त फार्मों का रिकॉर्ड भी व्यवस्थित तरीके से रखा जाएगा। नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए संबंधित व्यक्ति को अपनी अद्यतन फोटो, जन्म तिथि और निवास से संबंधित दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रतियां साथ लानी होंगी। परिवार के किसी सदस्य का मतदाता पहचान पत्र नंबर उपलब्ध होने

पर उसे भी साथ लाने को कहा गया है। विशेष शिविरों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए शहरी क्षेत्रों में रिकशों पर लाउडस्पीकर और ग्रामीण क्षेत्रों में डुगडुगी के माध्यम से प्रचार कराया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों को भी शिविर की जानकारी दी जाएगी। जिला निर्वाचन अधिकारी पांच और उप जिला निर्वाचन अधिकारी 10 बूथों का स्वयं निरीक्षण करेंगे।

सिंधिया ने निभाया वादा! नीलाक्षी के इलाज के लिए टैक्स छूट की पहल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

ग्वालियर की मासूम नीलाक्षी भार्गव के इलाज के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पहल की है। करीब 15 करोड़ रुपये के इलाज का खर्च जुटाने में परिवार को हो रही परेशानी के बीच सिंधिया ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर दवा पर आयात शुल्क और द्रव्यस्त्र में छूट देने का अनुरोध किया है। इस पहल से नीलाक्षी के इलाज के लिए आर्थिक मदद जुटाने की उम्मीद बढ़ी है।

जन-जन के सेवक राहुल शाक्य के अथक प्रयासों से जगी आस: वार्ड 36 को जल्द मिलेगी जल संकट से मुक्ति

ग्वालियर, जीएनएस। वार्ड क्रमांक 36 (धोबी घाट से संतोषी माता मंदिर) में बरसों से चले आ रहे गंभीर पेयजल संकट और जलभराव की समस्या को हल कराने के लिए भाजपा बुनकर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी राहुल शाक्य ने आम जनता की आवाज को पुरजोर तरीके से नगर निगम के समक्ष उठाया है। नगर निगम की जनसुनवाई में

पहुँचकर राहुल शाक्य ने अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर जी से मुलाकात कर गरीब व अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्र की जमीनी हकीकत से अवगत कराया। राहुल शाक्य द्वारा मजबूती से रखे गए पक्षों को गंभीरता से सुनते हुए अपर आयुक्त महोदय ने जल्द ही लाइन डलवाने का आश्वासन दिया।

इसके साथ ही राहुल शाक्य

ने नगर निगम आयुक्त को पत्र (पत्र क्रमांक- 313) प्रेषित कर अमृत योजना के तहत तत्काल पाइपलाइन बिछाने एवं नए नल कनेक्शन स्वीकृत करने की मांग रखी।

राहुल शाक्य द्वारा उठाए गए मुख्य बिंदु

1. अमृत योजना का लाभ हर घर तक- धोबी घाट से संतोषी माता मंदिर तक का पूरा क्षेत्र अभी

तक योजना से वंचित है, हर गरीब के घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचे।

2. गरीब वर्ग के हक की लड़ाई- यह क्षेत्र अत्यंत गरीब एवं स्थ. बहुल है। जब अन्य कॉलोनियों में बिना शर्त लाइन बिछी है तो यहाँ भी समान व्यवहार हो।

3. रहवासियों की पहल- क्षेत्र के नागरिक लाइन बिछाने के बाद नियमानुसार नल कनेक्शन शुल्क और जल कर देने को सहर्ष तैयार

हैं।

4. वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों का समर्थन- इस अभियान को सांसद, विधायक एवं मंत्रियों का भी समर्थन प्राप्त है, जिन्होंने पूर्व में अनुशंसा पत्र दिए हैं।

राहुल शाक्य की इस त्वरित पहल से वार्ड 36 के निवासियों में हर्ष की लहर है और सभी क्षेत्रवासी उनके जनहितैषी कार्य की प्रशंसा कर रहे हैं।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
SCAN TO SHOP
Har Khushi Ki Pahali Pasand
Soya Chunks, PASTA, POHA, MAACHA, ATTA
OUR NEW PRODUCT

श्रमसाधना

संपादकीय

हर भाषा के लुप्त होने से मिट जाता है एक संसार

भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि किसी समुदाय के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और सामूहिक स्मृतियों का जीवंत भंडार है। हर भाषा दुनिया को देखने और समझने का अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। जब कोई भाषा लुप्त होती है, तो मानवता केवल कुछ शब्द नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और सांस्कृतिक विरासत का पूरा संसार खो देती है। दुनिया में बोली जाने वाली हजारों भाषाएं मानव सभ्यता की विविधता को दर्शाती हैं। लेकिन वैश्वीकरण, शहरीकरण, पलायन और रोजगार की बदलती आवश्यकताओं के कारण अनेक भाषाएं विलुप्त के खतरे का सामना कर रही हैं। नई पीढ़ी अधिक प्रचलित भाषाओं को अपना रही है, जिससे छोटे समुदायों की भाषाएं दैनिक जीवन से दूर होती जा रही हैं। हर भाषा में पीढ़ियों से संचित ज्ञान समाहित होता है। औषधीय पौधों, कृषि, मौसम, जंगलों और जीव-जंतुओं से जुड़ी पारंपरिक जानकारी स्थानीय शब्दों, कहावतों, गीतों और कहानियों में सुरक्षित रहती है। किसी भाषा के लुप्त होने से इस ज्ञान का बड़ा हिस्सा भी खो सकता है। भाषा हमारी पहचान और अपनेपन से भी जुड़ी है। मातृभाषा बच्चों को अपने बुजुर्गों से जुड़ने, पारिवारिक परंपराओं को समझने और अपनी जड़ों को पहचानने में मदद करती है। लोकगीत, लोरियां, लोककथाएं और कहावतें ऐसी भावनाओं तथा अनुभवों को संजोती हैं, जिन्हें दूसरी भाषा में पूरी तरह व्यक्त करना हमेशा संभव नहीं होता। कई माता-पिता बच्चों को अधिक प्रचलित भाषाएं सिखाने पर जोर देते हैं, ताकि उनके लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ें। दूसरी भाषाएं सीखना उपयोगी है, लेकिन प्रगति के लिए मातृभाषा छोड़ना जरूरी नहीं। अंग्रेजी, हिंदी या अन्य भाषाएं सीखते हुए भी अपनी स्थानीय भाषा को जीवित रखा जा सकता है।

भाषा संरक्षण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यालयों में स्थानीय भाषाओं में कहानी, लोकगीत और साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना चाहिए। पुस्तकालयों में क्षेत्रीय साहित्य को स्थान मिलना चाहिए। डिजिटल शब्दकोश, ध्वनि और वीडियो अभिलेख तथा भाषा सीखने वाले अनुप्रयोग भी संकटग्रस्त भाषाओं के संरक्षण में सहायक हो सकते हैं।

सरकारों, विश्वविद्यालयों, लेखकों और सामाजिक संगठनों को संकटग्रस्त भाषाओं का दस्तावेजीकरण करना चाहिए। हालांकि, किसी भाषा को पुस्तकों और अभिलेखों में सुरक्षित रखना ही पर्याप्त नहीं है। भाषा तभी जीवित रहती है, जब लोग उसे घरों में बोलते हैं, बच्चों को सिखाते हैं और दैनिक जीवन में उसका उपयोग करते हैं।

परिवारों को बच्चों से मातृभाषा में बातचीत करनी चाहिए और बुजुर्गों की कहानियों, गीतों तथा अनुभवों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना चाहिए। स्थानीय साहित्यकारों और कलाकारों को प्रोत्साहन देकर भाषाओं को वर्तमान जीवन से जोड़ा जा सकता है। भाषाई विविधता की रक्षा का अर्थ दूसरी भाषाओं का विरोध करना नहीं, बल्कि सभी भाषाओं को समान सम्मान देना है। हर व्यक्ति वैश्विक संवाद के लिए अंग्रेजी सीख सकता है और साथ ही अपनी मातृभाषा को भी गर्व से अपना सकता है। हर लुप्त होती भाषा मानवता की सांस्कृतिक संपदा को कम करती है। भाषा के साथ ज्ञान, अनुभव और सोचने के अनूठे तरीके भी समाप्त हो सकते हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

महंगाई की मार से आम आदमी की थाली महंगी, बचत पर संकट

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी, गोंदिया (महाराष्ट्र)

महंगाई जब आंकड़ों से निकलकर रसोई तक पहुंचती है, तो उसका असर केवल घरेलू बजट पर नहीं, बल्कि आम आदमी की जीवनशैली, बचत और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पर भी पड़ता है। दाल, चावल, खाद्य तेल, प्याज, लहसुन, अदरक, नींबू और ईंधन जैसी रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतें बढ़ने से परिवारों के सामने खर्च और बचत के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाता है। भारत में सितंबर 2026 के महंगाई आंकड़ों ने इसी चिंता को फिर सामने ला दिया है। खुदरा महंगाई बढ़कर 5.54 प्रतिशत और थोक महंगाई 11.39 प्रतिशत पर पहुंच गई।

रसोई के बजट पर सीधा असर
भारतीय परिवारों के लिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी सबसे अधिक महसूस होने वाली समस्या है। कम और मध्यम आय वाले परिवार अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा भोजन, आवास, परिवहन और दूसरी बुनियादी जरूरतों पर खर्च करते हैं। ऐसे में खाद्य तेल, दाल, सब्जियों और अनाज के दाम बढ़ने से दूसरी जरूरतों के लिए उपलब्ध राशि कम हो जाती है।

परिवारों को फल, दूध और पौष्टिक खाद्य पदार्थों की खरीद घटानी पड़ सकती है। कुछ लोग कपड़े, मनोरंजन और अन्य खर्चों में कटौती करते हैं, जबकि कई परिवार अपनी बचत का इस्तेमाल करने को मजबूर हो सकते हैं। इसलिए महंगाई का प्रभाव

केवल जेब तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है।

खुदरा और थोक महंगाई में अंतर समझना जरूरी : सितंबर में खुदरा महंगाई अगस्त के 4.83 प्रतिशत से बढ़कर 5.54 प्रतिशत हो गई। इसी अवधि में थोक महंगाई 9.92 प्रतिशत से बढ़कर 11.39 प्रतिशत पहुंच गई। खुदरा महंगाई उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बदलाव बताती है, जबकि थोक महंगाई थोक स्तर पर वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का संकेत देती है।

थोक महंगाई 11.39 प्रतिशत होने का अर्थ यह नहीं है कि बाजार की प्रत्येक वस्तु इतनी ही महंगी हो गई है। इसका अर्थ है कि सूचकांक में शामिल वस्तुओं के समग्र मूल्य स्तर में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इतनी वृद्धि हुई है। फिर भी, थोक कीमतों में लगातार तेजी बनी रहने पर उत्पादन, परिवहन और व्यापार की लागत बढ़ सकती है। यदि कंपनियां इस अतिरिक्त लागत का बोझ ग्राहकों पर डालती हैं, तो खुदरा बाजार में भी दबाव बढ़ सकता है।

ईंधन की महंगाई से बढ़ती लागत : सितंबर में थोक मूल्य सूचकांक के ईंधन एवं बिजली समूह की महंगाई 25.85 प्रतिशत रही, जबकि विनिर्मित उत्पादों की महंगाई 9.76 प्रतिशत और प्राथमिक वस्तुओं की महंगाई 8.67 प्रतिशत दर्ज की गई। थोक खाद्य सूचकांक में भी महंगाई अगस्त के 7.05 प्रतिशत से बढ़कर

8.66 प्रतिशत हो गई।

ईंधन महंगा होने से माल ढुलाई और उत्पादन लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसका असर कृषि उपज को मंडियों तक पहुंचाने, कारखानों में उत्पादन और वस्तुओं के वितरण पर पड़ता है। इसलिए महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। आपूर्ति व्यवस्था, बाजार निगरानी और जरूरी वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी महत्वपूर्ण है।

आरबीआई और सरकार के सामने चुनौती : बढ़ती महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक के लिए भी चुनौती पैदा करती है। ब्याज दरों में बदलाव से कर्ज की लागत और बाजार में मांग प्रभावित हो सकती है, लेकिन इससे खाद्य वस्तुओं की कमी या आपूर्ति संबंधी समस्याओं का सीधा समाधान नहीं होता। सरकार को जमाखोरी और कालाबाजारी के विरुद्ध कार्रवाई, आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति तथा जरूरतमंद परिवारों तक राहत पहुंचाने पर ध्यान देना होगा।

आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 जैसे कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन बाजार में अनुचित गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सहायक हो सकता है। हालांकि, कीमतों में हर वृद्धि को जमाखोरी का परिणाम मानना उचित नहीं होगा। उत्पादन, मौसम, परिवहन और अंतरराष्ट्रीय बाजार की परिस्थितियों की भी जांच जरूरी है।

2027 के चुनावों में महंगाई

का मुद्दा : महंगाई का असर आर्थिक दायरे से आगे बढ़कर राजनीतिक बहस का हिस्सा भी बन सकता है। वर्ष 2027 में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, वहां रोजगार, आय, विकास और सरकारी योजनाओं के साथ घरेलू खर्च भी चर्चा का विषय बन सकता है। मतदाता अपने दैनिक अनुभवों के आधार पर सरकारों के कामकाज का मूल्यांकन करते हैं। हालांकि, केवल महंगाई के आधार पर किसी चुनावी परिणाम का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, क्योंकि मतदान को अनेक स्थानीय और राष्ट्रीय मुद्दे प्रभावित करते हैं।

राहत के लिए समयबद्ध कदम जरूरी : महंगाई के मौजूदा दबाव में सरकार को खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता बढ़ाने, आपूर्ति शृंखला की बाधाएं दूर करने और कमजोर आय वाले परिवारों की क्रय शक्ति सुरक्षित रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। आरबीआई को भी कीमतों के रुझान और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना होगा। अर्थव्यवस्था की सफलता केवल विकास दर या बाजार की तेजी से नहीं मापी जा सकती। आम नागरिक की थाली में पौष्टिक भोजन, महीने के अंत में बची हुई बचत और भविष्य के प्रति उसका भरोसा भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। महंगाई पर नियंत्रण का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा, जब राहत के आंकड़े आम आदमी के दैनिक जीवन में भी दिखाई दें।

कुपोषित महिलाएं, कमजोर समाज : बदलाव की जरूरत

डॉ. विजय गर्ग

महिलाएं परिवार की रीढ़ और सामाजिक-आर्थिक विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। वे बच्चों के पालन-पोषण से लेकर परिवार की देखभाल और कार्यक्षेत्र में योगदान तक अनेक जिम्मेदारियां निभाती हैं। इसके बावजूद देश में बड़ी संख्या में महिलाएं कुपोषण, एनीमिया और पौष्टिक भोजन की कमी से जूझ रही हैं। यह केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, आर्थिक सशक्तीकरण और देश के भविष्य से जुड़ी गंभीर चुनौती है।

महिला पोषण की समस्या का समाधान केवल संतुलित भोजन की सलाह देने से नहीं होगा। इसके लिए परिवार की सोच, सामाजिक परंपराओं, स्वास्थ्य सेवाओं और सरकारी योजनाओं में प्रभावी बदलाव की आवश्यकता है।

महिला कुपोषण का छिपा संकट : कुपोषण का अर्थ केवल शरीर का कम वजन होना नहीं है। शरीर को आवश्यक विटामिन और खनिज न मिलना, एनीमिया तथा असंतुलित आहार के कारण अधिक वजन की समस्या भी पोषण संबंधी चुनौतियों में शामिल हैं। गरीबी, खाद्य असुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और पोषण संबंधी जानकारी का अभाव महिलाओं को अधिक जोखिम में डाल सकते हैं। कई परिवारों में महिलाएं परिवार के अन्य सदस्यों को भोजन कराने के बाद खुद खाना खाती

हैं। बच्चों और पुरुषों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए वे अपने भोजन की मात्रा और गुणवत्ता से समझौता कर लेती हैं। त्याग और समर्पण के रूप में देखी जाने वाली यह आदत लंबे समय में उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है।

महिलाओं को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन मिलना उनकी बुनियादी जरूरत है। इसे परिवार के अन्य सदस्यों की जरूरतों के बाद पूरा होने वाली आवश्यकता नहीं माना जाना चाहिए।

एनीमिया से स्वास्थ्य और कार्यक्षमता पर असर : एनीमिया भारतीय महिलाओं के सामने मौजूद प्रमुख पोषण संबंधी समस्याओं में से एक है। यह अक्सर आयरन की कमी से जुड़ा होता है, हालांकि रक्तस्त्राव, संक्रमण और दूसरी चिकित्सकीय स्थितियां भी इसके कारण हो सकती हैं। इससे थकान, कमजोरी, चक्कर और एकाग्रता में कमी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। परिणामस्वरूप महिलाओं की दैनिक गतिविधियों, कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर असर पड़ता है।

किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण संबंधी जरूरतों पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। गर्भावस्था में पोषण की कमी मां और शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ा सकती है। यदि किशोरावस्था से ही लड़कियों को पर्याप्त पोषण नहीं मिलता, तो आगे चलकर उनके मातृ स्वास्थ्य पर भी

इसका प्रभाव पड़ सकता है। इस तरह कुपोषण का दुष्चक्र एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक जारी रहने की आशंका रहती है।

सामाजिक असमानता भी है बड़ा कारण : महिला कुपोषण के पीछे गरीबी के साथ लैंगिक असमानता, शिक्षा की कमी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसे कारण भी हैं। कृषि, घरेलू कामकाज और अन्य श्रम आधारित कार्यों में लगी अनेक महिलाएं दिनभर मेहनत करती हैं, लेकिन उन्हें पर्याप्त भोजन और आराम नहीं मिल पाता।

कम उम्र में विवाह, बार-बार गर्भधारण और परिवार के निर्णयों में महिलाओं की सीमित भागीदारी भी उनके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। इसलिए समस्या केवल यह नहीं है कि महिलाएं क्या खाती हैं, बल्कि यह भी है कि पौष्टिक भोजन कितना उपलब्ध है, परिवार के संसाधनों पर उनका कितना अधिकार है और क्या उन्हें अपनी सेहत की देखभाल के लिए समय तथा स्वतंत्रता मिलती है।

बदलाव की शुरुआत घर से महिला पोषण सुधारने के लिए परिवारों को अपनी सोच और भोजन संबंधी आदतों में बदलाव करना होगा। महिलाओं और लड़कियों को पर्याप्त भोजन मिले, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। संतुलित आहार में दालें, फलियां, मौसमी सब्जियां, फल, साबुत अनाज, दूध या उसके उपयुक्त विकल्प और स्थानीय रूप से उपलब्ध

पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल किए जा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां और आयरन से भरपूर दूसरे खाद्य पदार्थ उपयोगी हैं। इनके साथ विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ लेने से पौधों से मिलने वाले आयरन के अवशोषण में मदद मिल सकती है। हालांकि, एनीमिया की आशंका होने पर चिकित्सकीय जांच जरूरी है। केवल खान-पान में बदलाव हर स्थिति में पर्याप्त नहीं होता। आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां चिकित्सकीय या सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी उचित सलाह के अनुसार ही लेनी चाहिए।

परिवारों को महिलाओं की नियमित स्वास्थ्य जांच, पर्याप्त आराम, सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता पर भी ध्यान देना चाहिए। भोजन और स्वास्थ्य से जुड़े फैसलों में महिलाओं की समान भागीदारी होनी चाहिए। घर के कामकाज और बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी भी परिवार के सभी सदस्यों को मिलकर उठानी चाहिए।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की भूमिका : विद्यालयों और महाविद्यालयों में किशोरियों को संतुलित आहार, एनीमिया, मासिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य देखभाल और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता लेने की जानकारी दी जानी चाहिए। पोषण संबंधी जागरूकता केवल महिलाओं तक सीमित न रहे, बल्कि पुरुषों और लड़कों को भी इसमें शामिल किया जाए।

उम्मीदवारों की ज़बरदस्त मांग के बाद 'इंडिया स्किल्स 2026-27' के लिए पंजीकरण विंडो को 19 अक्टूबर 2026 तक फिर से खोला गया

(संतोष कुमार सिंह) **वाराणसी।** कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने संस्थानों और भाग लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के कई अनुरोधों के बाद, 'इंडियास्किल्स 2026-27' के लिए पंजीकरण विंडो को 19 अक्टूबर 2026 तक फिर से खोल दिया है यह निर्णय 'वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन शंघाई' में टीम इंडिया के उत्कृष्ट प्रदर्शन के परिणामस्वरूप कौशल प्रतियोगिताओं के प्रति बढ़ी हुई रुचि के बीच लिया गया है जहाँ भारतीय दल ने वैश्विक स्तर पर दसवाँ स्थान प्राप्त किया और छह रजत पदक तथा बीस मेडलियन फॉर एक्सीलेंस (उत्कृष्टता पदक)

पदक जीते। इस गति को तब और मजबूती मिली जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में अपने आवास, सेवन लोक कल्याण मार्ग पर %वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2026% में हिस्सा लेने वाली टीम इंडिया के प्रतिभागियों से मुलाकात की 7 उनकी इस बातचीत ने भारत के कुशल युवाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाया और राष्ट्रीय विकास में व्यावसायिक उत्कृष्टता के महत्व को रेखांकित किया 7 इस मुलाकात के बाद, मंत्रालय को संस्थानों और इसमें भाग लेने के इच्छुक लोगों से %इंडियास्किल्स 2026-27% के पंजीकरण को फिर से खोलने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए 7 इसके जवाब

में पंजीकरण विंडो को 19 अक्टूबर 2026 तक फिर से खोल दिया गया है जिससे अधिक युवाओं को अपने कौशल का प्रदर्शन करने,राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की दिशा में काम करने का अवसर मिल रहा है 7 'इंडियास्किल्स 2026-27' के लिए पहले ही लगभग 4.0 लाख पंजीकरण प्राप्त हो चुके हैं जो अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रतिस्पर्धा करने के प्रति युवाओं में बढ़ती रुचि को दर्शाता है जो योग्य उम्मीदवार पहले पंजीकरण नहीं करा सके थे वे अब 19 अक्टूबर 2026 तक %स्किल इंडिया

डिजिटल हब% (एसआईडीएच) पर अपना आवेदन करके इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं 7 कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की देखरेख में और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के कार्यान्वयन भागीदार के रूप में आयोजित %इंडियास्किल्स 2026-27% के लिए पहले ही जटल प्रौद्योगिकी,रचनात्मक उद्योग और सेवाओं जैसे क्षेत्रों की 63 उद्योग-संबंधी कौशल श्रेणियों को कवर करता है। यह प्रतियोगिता जिला/क्षेत्रीय, राज्य,प्रादेशिक और राष्ट्रीय स्तरों के माध्यम से एक सुनियोजित मार्ग प्रदान करती है जिससे प्रतिभाशाली युवाओं को अपने कौशल का प्रदर्शन करने,

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन प्राप्त करने और अंतरराष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिताओं में भारत का प्रतिनिधित्व करने के अवसरों की ओर आगे बढ़ने में मदद मिलती है।मंत्रालय ने राज्य सरकारों,केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासनों,औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई),पॉलिटेक्निक, कॉलेजों,कौशल प्रशिक्षण संस्थानों और उद्योग भागीदारों को फिर से खोली गई विंडो के बारे में जानकारी प्रसारित करने और पंजीकरण की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया है 7 इस अतिरिक्त अवसर का उद्देश्य भागीदारी का दायरा बढ़ाना और प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भावी कौशल चैंपियनों को शामिल

करना है 7 टीम इंडिया ने %वर्ल्डस्किल्स शंघाई 2026% में दसवाँ स्थान हासिल किया,छह रजत पदक और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 20 पदक (मेडल फॉर एक्सीलेंस) जीते जो कि %वर्ल्डस्किल्स ल्योन 2024% के 13वें स्थान के प्रदर्शन से बेहतर है 7 भारत के अब तक के सबसे बड़े 70 प्रतियोगियों के दल ने 63 कौशल स्पर्धाओं में भाग लिया 7 उनके इस प्रदर्शन ने उन अवसरों की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है जो कौशल,विशेष प्रशिक्षण और लगातार तैयारी से युवा भारतीयों के लिए बन सकते हैं पंजीकरण 19 अक्टूबर 2026 को बंद हो जाएगा।

शिक्षा के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी आवश्यक: महंत सुमित शर्मा

शिवपुरी, जीएनएस। विद्या भारती मध्य भारत प्रांत की योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास की दृष्टि से सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी के कक्षा नवमी के चयनित भैयाओं के लिए आयोजित त्रिदिवसीय दिशा-बोध शिविर का समापन सिद्ध देवस्थान श्री मंशापूर्ण मंदिर में हुआ। समापन सत्र का शुभारंभ मुख्य अतिथि महंत श्री सुमित शर्मा एवं शिविर संयोजक श्री प्रयाग नारायण शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महंत श्री सुमित शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में दिशा-बोध शिविर की महत्वपूर्ण



भूमिका होती है। श्रेष्ठ व्यक्तित्व से ही श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पुस्तकीय शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना भी नितांत आवश्यक है। जीवन में व्यवहार-कुशलता और व्यावहारिक ज्ञान का विशेष महत्व है। इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविक परिस्थितियों को समझने तथा उनमें उचित

व्यवहार करने की प्रेरणा देते हैं। शिविर संयोजक श्री प्रयाग नारायण शर्मा ने शिविर की भूमिका एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में ऐसे आयोजनों की उपयोगिता बताई। शिविर के अंतर्गत सभी भैया आचार्यों के मार्गदर्शन में परमहंस आश्रम एवं जिला परिवहन कार्यालय पहुँचे, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक जीवन तथा परिवहन

व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने शिविर के दौरान दिए गए परियोजना कार्यों के आधार पर अपने अनुभव भी साझा किए। शिविर में विद्यार्थियों के शारीरिक, बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रखते हुए व्यायाम, योग, भाषण, अनुभव लेखन तथा श्रम-साधना जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस त्रिदिवसीय शिविर में विद्यालय के चयनित 25 भैयाओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री अरविंद सविता ने किया। अंत में उन्होंने सभी अतिथियों, आचार्यों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



एसडीएम सीओ एवं मुसाफिर हाईवे के जाम में फसे

जालौन, जीएनएस। हाईवे कर्मचारी की मनमानी से हाईवे में लगता है आय दिन जाम सड़क में मरम्तिकरण कार्य के लिए इनके पास निश्चित टाइम नहीं होता है यह अपनी मनमानी से मरमती कार्य जहाँ भी करते हैं वहाँ भी वेरीकेटिंग लगाना मुनासिब नहीं समझते हैं इसीलिए हाईवे के जाम में अधिकारी एवं मुसाफिर वाहनों में बैठकर सैकड़ों बाहन हाईवे जाम में फसकर बिलबिलाते हुए नजर आए हाईवे के जिम्मेदार लोग सड़क की मरम्तिकरण करने पर प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक को सूचना देना अनिवार्य होता है तभी हाईवे में कार्य करने में सहूलियत प्रदान होती है इसी प्रकार पुराने पुल के मरम्तिकरण में नियम अनुसार जिलाधिकारी को सूचना देकर एक तरफ हाईवे बंद कर कार्य किया गया था यदि उसमें जाम लगता था तो तत्काल पुलिस टीम स्वयं खड़े होकर जाम को हटवाती थी फिर भी हाईवे में मरम्तिकरण कार्य करने में अपनी मनमानी से करना मुनासिब समझते हैं यदि सूचना प्रशासनिक अधिकारियों से

लेकर प्रभारी निरीक्षक तक सूचना देकर अपने कार्य को करें तो जाम कभी नहीं लग सकता है बुधवार के दिन उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के जनपद आगमन पर ड्यूटी में उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य पुलिस उपाधीक्षक राजेश कमल समेत दोनों अधिकारी अपनी ड्यूटी में उई जा रहे थे तभी चौरासी गुम्फ हाईवे में सर्वाधिक जाम में फस गए जाम से नहीं निकल पाए उन्होंने तत्काल प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी को जाम की जैसे ही सूचना दी उन्होंने तत्काल टरननगंज चौकी प्रभारी सुरेश चंद्र महमूदपुरा चौकी प्रभारी दिलीप कुमार मिश्रा उप निरीक्षक तथा लगभग एक दर्जन पुलिस बल साथ में भेज कर दुर्गा मंदिर चौराहा आलमपुर चौराहा आदि जगह हाईवे में लगकर बड़ी मशकत के बाद वाहनों को धीरे-धीरे चला कर लगभग 1 घंटे में जाम खुलवाने में कामयाबी हासिल की वही जब जाम खुला तहसील कालपी के प्रशासनिक अधिकारी अपने वाहनों से उई के लिए कूच कर गए।

स पोरसा में धूमधाम से निकाला गया माथुर वैश्य जयंती का भव्य चल समारोह, आकर्षक झांकियों ने मोहा मन

पोरसा, जीएनएस। माथुर वैश्य जयंती के अवसर पर आज पोरसा नगर में समाज की ओर से भव्य चल समारोह धूमधाम और उत्साह के साथ निकाला गया। चल समारोह में धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और उत्सव का अनूठा संगम देखने को मिला। आकर्षक धार्मिक झांकियां, तीन बैड-बाजों की मधुर धुनें,

महिलाओं का डांडिया नृत्य और भक्ति गीतों पर झूमते युवा समारोह का मुख्य आकर्षण रहे। नगर के प्रमुख मार्गों से निकले इस चल समारोह का जगह-जगह समाजबंधुओं एवं नगरवासियों ने स्वागत किया। चल समारोह का शुभारंभ पुराने थाने से हुआ। तीन बैड-बाजों के साथ निकली शोभायात्रा में माथुर वैश्य समाज

के महिला-पुरुष, युवा समाजबंधु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। महिलाएं पारंपरिक अंदाज में डांडिया नृत्य करती हुई चल रही थीं, वहीं युवा वर्ग धार्मिक भजनों की धुन पर नृत्य करते हुए माहौल को भक्तिमय बना रहा था। चल समारोह में करीब एक दर्जन आकर्षक धार्मिक झांकियां शामिल रहीं, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं।

झांकियों में नवदुर्गा, राम दरबार, काली कलकत्ते वाली, दुर्गा मैया, महादेव बाबा और हनुमान जी सहित विभिन्न देवी-देवताओं की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। झांकियों को देखने के लिए मार्गों पर लोगों की भीड़ जुटी रही। धार्मिक स्वरूप में सजी इन झांकियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

नवरात्रि में मूलाधार चक्र ध्यान से मन की स्थिरता और आत्मविश्वास का विकास

नवरात्रि का पर्व शक्ति, साधना, आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर गायत्री मंदिर गुना में आयोजित विशेष योग सत्र में योगाचार्य महेश पाल द्वारा साधकों को मूलाधार चक्र ध्यान का अभ्यास कराया गया। उन्होंने बताया कि नवरात्रि में देवी शक्ति की उपासना के साथ ध्यान और योगाभ्यास को जोड़ना व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करता है। योगग्रंथों के अनुसार मूलाधार चक्र को शरीर के सात प्रमुख चक्रों

में प्रथम माना गया है। इसका स्थान रीढ़ की हड्डी के निचले आधार क्षेत्र में बताया जाता है। आध्यात्मिक परंपरा में इसे स्थिरता, सुरक्षा, धैर्य और जीवन ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। नवरात्रि में शक्ति साधना का विशेष महत्व होने के कारण मूलाधार चक्र पर ध्यान करना साधक के लिए एकाग्रता, आत्मचिंतन और आंतरिक संतुलन विकसित करने का माध्यम बनता है। योग की पारंपरिक चक्र-साधना में मूलाधार चक्र का बीज मंत्र 'लं' (ॠ) माना जाता है। इसका ध्यान रीढ़ की हड्डी के निचले आधार क्षेत्र पर सहज

एकाग्रता के साथ किया जाता है। साधक शांत बैठकर अपनी श्वास पर ध्यान केंद्रित करते हुए मंत्र का मानसिक या धीमे स्वर में उच्चारण करता है मंत्र ध्वनि तरंगों से ऊर्जा की गति ऊपर की ओर बढ़ती है यह ऊर्जा मूलाधार चक्र से स्वादिष्ट चक्र से अनाहतचक्र से विशुद्ध चक्र और आज्ञा चक्र से आगे बढ़ती हुई सहस्त्रत्रार चक्र को एक्टिव करती है और फिर साधक के अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा विकसित होने लगते हैं जिससे उसके चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का घेरा विकसित

हो जाता है और बह समस्त प्रकार के रोगों से मुक्त हो जाता है और ईश्वरीय उच्च चेतना से जुड़ने लगता है योगाचार्य महेश पाल के अनुसार, वर्तमान समय में अनियमित दिनचर्या, मानसिक तनाव, चिंता और असंतुलित जीवनशैली के बीच ध्यान का अभ्यास व्यक्ति को स्वयं से जुड़ने का अवसर देता है। मूलाधार चक्र ध्यान के दौरान साधक शांत अवस्था में बैठकर अपनी श्वास के प्रति सजग रहता है और शरीर के निचले आधार क्षेत्र पर सहज रूप से ध्यान केंद्रित करता है। इस अभ्यास से मन को वर्तमान क्षण

में स्थिर रखने, विचारों की अनावश्यक भागदौड़ कम करने तथा भावनात्मक संतुलन विकसित करने में सहायता मिलती है। वैज्ञानिक दृष्टि से ध्यान और सजग श्वास के अभ्यास पर हुए शोध बताते हैं कि कुछ प्रकार के ध्यान तनाव के प्रति शारीरिक और मानसिक प्रतिक्रिया को कम करने में सहायक होते हैं, नवरात्रि केवल देवी आराधना का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर अनुशासन, धैर्य, साहस और सकारात्मक ऊर्जा विकसित करने का अवसर भी है। यदि व्यक्ति प्रतिदिन कुछ समय शांत बैठकर

ध्यान करे, श्वास के प्रति सजग रहे और संतुलित दिनचर्या अपनाए, तो वह अपने मानसिक स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि योग का उद्देश्य केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर, मन और व्यवहार में संतुलन स्थापित कर आध्यात्मिक ऊर्जा विकसित करना भी है। नवरात्रि के दौरान योग, ध्यान और साधना को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर व्यक्ति आध्यात्मिक उन्नति के साथ मानसिक शांति की दिशा में भी आगे बढ़ सकता है।

लैंगिक समानता की राह में भारत की धीमी रफ्तार

लैंगिक समानता किसी भी सभ्य, समावेशी और विकसित समाज की बुनियादी शर्त है। जिस देश की आधी आबादी को समान अवसर, आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने का अधिकार नहीं मिलता, वहां समग्र विकास का लक्ष्य अधूरा ही रहता है। भारत में महिलाओं की शिक्षा, राजनीतिक भागीदारी और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कई सकारात्मक बदलाव हुए हैं, लेकिन वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक 2026 में देश का 131वें स्थान पर रहना बताता है कि इन उपलब्धियों को वास्तविक समानता में बदलने की चुनौती अब भी बड़ी है। विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, भारत का लैंगिक समानता स्कोर 64.5 प्रतिशत है, जबकि वैश्विक औसत 69.2 प्रतिशत है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि आर्थिक भागीदारी और अवसरों के मामले में भारत 145 देशों में 143वें स्थान पर है। ये आंकड़े केवल भारत की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का सवाल नहीं हैं, बल्कि देश के सामाजिक और आर्थिक विकास की दिशा पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं। जब बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देश लैंगिक समानता के मामले में भारत से आगे हों, तो आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। किसी देश की प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक वृद्धि, बुनियादी ढांचे या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि विकास के लाभ महिलाओं तक किस हद तक पहुंच रहे हैं और उन्हें अपने जीवन के फैसले लेने की कितनी स्वतंत्रता प्राप्त है।

भारत में लड़कियों की शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में उनकी भागीदारी बढ़ी है। अनेक क्षेत्रों में महिलाएं अपनी योग्यता और प्रतिभा का परिचय भी दे रही हैं। इसके बावजूद शिक्षा प्राप्त करने वाली महिलाओं को रोजगार, बेहतर वेतन और नेतृत्व के अवसरों में समान हिस्सेदारी नहीं मिल पाती। यह विरोधाभास हमारी विकास नीतियों की सीमाओं को उजागर करता है। यदि कोई लड़की कठिन परिस्थितियों के बावजूद शिक्षा प्राप्त करती है, लेकिन उसे अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार नहीं मिलता, तो शिक्षा का आर्थिक और सामाजिक लाभ सीमित रह जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। रोजगार के सीमित अवसर, सुरक्षित परिवहन का अभाव, घरेलू जिम्मेदारियां, बच्चों की देखभाल और सामाजिक रूढ़ियां महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को प्रभावित करती हैं। कई महिलाएं खेती, पशुपालन और पारिवारिक व्यवसायों में काम करती हैं, लेकिन उनके श्रम को स्वतंत्र आर्थिक योगदान के रूप में पर्याप्त मान्यता नहीं मिलती। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने के लिए केवल रोजगार योजनाओं की घोषणा पर्याप्त नहीं है। उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता, आसान ऋण, बाजार तक पहुंच और सुरक्षित कार्यस्थल उपलब्ध कराने होंगे। साथ ही, समान काम के लिए समान वेतन और पदोन्नति में निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

महिला सशक्तीकरण का



अर्थ केवल महिलाओं के नाम पर योजनाएं चलाना या उन्हें सरकारी सहायता उपलब्ध कराना नहीं है। वास्तविक सशक्तीकरण तब होगा, जब महिलाएं अपनी आय अर्जित कर सकें, संपत्ति पर अधिकार रख सकें और परिवार तथा समाज के महत्वपूर्ण फैसलों में उनकी राय को बराबर महत्व मिले। पूनम मुतरेजा ने जिस अंतर की ओर ध्यान दिलाया है, वह इसी वास्तविकता को सामने लाता है। महिलाओं के नेतृत्व में विकास की प्रतिबद्धता तभी सार्थक होगी, जब महिलाओं को नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व से राजनीतिक भागीदारी का दायरा बढ़ा है, लेकिन कई स्थानों पर निर्वाचित महिलाओं को स्वतंत्र रूप से निर्णय लेने में अब भी पारिवारिक या सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ता है। यही स्थिति रोजगार और अन्य संस्थागत नेतृत्व के क्षेत्रों में भी दिखाई देती है। इसलिए महिला सशक्तीकरण को कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित रखने के बजाय उसे अधिकार, अवसर और स्वतंत्रता से जोड़ना होगा। महिलाओं को लाभार्थी मानने के साथ-साथ नीति निर्माण और

विकास की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदार बनाना आवश्यक है।

तकनीकी बदलाव के इस दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) लैंगिक समानता के लिए एक नई चुनौती बनकर उभर रही है। एआई से कई क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ने और नए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है, लेकिन इसका लाभ सभी को समान रूप से मिलेगा, यह निश्चित नहीं है। यदि महिलाओं की डिजिटल तकनीक तक पहुंच सीमित रही और उन्हें नए कौशल सीखने के अवसर नहीं मिले, तो वे रोजगार के बदलते स्वरूप में और पीछे छूट सकती हैं। विश्व आर्थिक मंच की विशेषज्ञ सिल्ला बैलर ने भी इस असमानता की ओर संकेत किया है। जिन नौकरियों पर एआई के कारण बदलाव का अधिक खतरा है, उनमें महिलाओं की हिस्सेदारी अपेक्षाकृत अधिक है, जबकि एआई के इस्तेमाल से कर्मचारियों की क्षमताएं बढ़ाने वाले क्षेत्रों में उनकी भागीदारी कम है। इसका अर्थ है कि तकनीकी क्रांति मौजूदा असमानताओं को कम करने के बजाय उन्हें और गहरा कर सकती है। इस खतरे से निपटने के लिए महिलाओं को केवल तकनीक का उपभोक्ता बनाना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें

एआई के डिजाइन, विकास, शोध और प्रबंधन में भी अवसर मिलने चाहिए। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित से जुड़े क्षेत्रों में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाना, डिजिटल प्रशिक्षण उपलब्ध कराना और तकनीकी संस्थानों में समान अवसर सुनिश्चित करना समय की मांग है। इसके साथ ही, एआई प्रणालियों में इस्तेमाल होने वाले आंकड़ों और एल्गोरिदम में मौजूद संभावित लैंगिक पूर्वाग्रहों को पहचान और रोकथाम भी जरूरी है।

वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक में भारत की स्थिति को सुधारने के लिए सरकार, निजी क्षेत्र, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर प्रयास करना होगा। सबसे पहले महिलाओं के रोजगार और आर्थिक भागीदारी से जुड़े लक्ष्यों को स्पष्ट समयसीमा के साथ लागू किया जाना चाहिए। महिलाओं के लिए सुरक्षित सार्वजनिक परिवहन, कार्यस्थलों पर प्रभावी शिकायत निवारण व्यवस्था, मातृत्व के साथ-साथ पितृत्व संबंधी जिम्मेदारियों को साझा करने की संस्कृति और सुलभ बाल देखभाल सेवाओं का विस्तार आवश्यक है। ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वयं सहायता समूहों को केवल बचत और छोटे ऋण तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्हें उद्यमिता, आधुनिक तकनीक, उत्पादन, विपणन और डिजिटल बाजारों से जोड़ने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को मान्यता देने, उन्हें भूमि और संपत्ति संबंधी अधिकार दिलाने तथा संस्थागत ऋण तक उनकी पहुंच बढ़ाने से भी आर्थिक स्वतंत्रता को बल मिलेगा। इसके अलावा, लैंगिक समानता को

केवल महिला दिवस या विशेष अभियानों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। परिवारों में बेटियों और बेटों के बीच भेदभाव समाप्त करना, घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी बढ़ाना और महिलाओं के प्रति हिंसा तथा भेदभाव के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सामाजिक मानसिकता में बदलाव के बिना कानून और योजनाओं का प्रभाव सीमित रह सकता है।

विश्व आर्थिक मंच के आकलन के अनुसार, दुनिया में पूर्ण लैंगिक समानता हासिल करने में लगभग 120 वर्ष और दक्षिण एशिया में करीब 149 वर्ष लग सकते हैं। भारत के संदर्भ में भी लगभग डेढ़ सदी का अनुमान चिंता पैदा करता है। हालांकि, इस अर्वाधि को कोई अपरिवर्तनीय भविष्यवाणी नहीं, बल्कि मौजूदा प्रगति की गति पर आधारित चेतावनी के रूप में देखना चाहिए। नीतियों, निवेश और सामाजिक व्यवहार में निर्णायक बदलाव लाकर इस दूरी को कम किया जा सकता है। विकसित भारत का सपना महिलाओं की समान भागीदारी के बिना पूरा नहीं हो सकता। यदि देश को आर्थिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से अग्रणी और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण बनना है, तो महिलाओं को विकास का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि उसका नेतृत्व करने वाला भागीदार बनना होगा। लैंगिक समानता को भविष्य का लक्ष्य मानकर टालने के बजाय आज की विकास नीति का अनिवार्य आधार बनाना ही समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

-मच्छिंद्र ऐनापुरे, सांगली (महाराष्ट्र)

विदेशी तकनीक पर निर्भरता और राष्ट्रीय सुरक्षा के नए खतरे

महेंद्र तिवारी

आधुनिक युद्ध में संचार व्यवस्था और तकनीकी आत्मनिर्भरता का महत्व लगातार बढ़ रहा है। अब युद्ध केवल हथियारों, सैनिकों और सैन्य संसाधनों की ताकत से नहीं लड़े जाते, बल्कि उपग्रह संचार, इंटरनेट, डेटा और डिजिटल तकनीक भी उनकी दिशा और परिणाम तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यूक्रेन और अमेरिका के बीच सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं को लेकर सामने आया विवाद इसी बदलती युद्ध प्रणाली की ओर संकेत करता है। इस घटनाक्रम ने एक महत्वपूर्ण सवाल खड़ा किया है कि क्या कोई देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और सैन्य अभियानों के लिए विदेशी तकनीक पर निर्भर रहकर पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय ले सकता है?

रूस के खिलाफ युद्ध लड़ रहे यूक्रेन के लिए उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं सैन्य संचार और

ड्रोन संचालन का महत्वपूर्ण साधन बनी हैं। आधुनिक युद्ध में मानव रहित विमानों यानी ड्रोन का उपयोग तेजी से बढ़ा है। निगरानी, लक्ष्य की पहचान, सूचनाओं के आदान-प्रदान और हमलों के संचालन में इनकी भूमिका अहम हो गई है। ऐसे में संचार व्यवस्था में आने वाली बाधा किसी एक तकनीकी सेवा की समस्या भर नहीं रहती, बल्कि इसका प्रभाव सैन्य रणनीति और सैनिकों की सुरक्षा तक पहुंच सकता है।

यूक्रेन की संचार व्यवस्था को लेकर सामने आई चिंताओं ने इस बात पर ध्यान खींचा है कि यदि युद्ध के बीच किसी तकनीकी सेवा की गति सीमित कर दी जाए या उसका संपर्क बाधित हो जाए, तो उस पर निर्भर सैन्य उपकरणों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। तेज गति से उड़ने वाले ड्रोन का संपर्क टूटने पर उनका संचालन कठिन हो सकता है। हालांकि, किसी विशेष गति पर संपर्क टूटने,

तकनीकी प्रतिबंध लगाए जाने और उसके पीछे के निर्णयों से संबंधित दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। इसके बावजूद व्यापक सवाल अपनी जगह कायम है कि युद्ध के दौरान संचार तकनीक पर नियंत्रण किसका होना चाहिए और उसके इस्तेमाल की सीमाएं कौन तय करेगा?

इस विवाद में एलन मस्क और अमेरिकी रक्षा विभाग की भूमिका को लेकर हुई चर्चाओं ने निजी कंपनियों, सरकारों और सैन्य संस्थानों के बीच अधिकारों के संबंध पर बहस को और महत्वपूर्ण बना दिया है। जब किसी निजी कंपनी की विकसित तकनीक किसी देश की रक्षा व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा बन जाती है, तब उसके संचालन से जुड़े निर्णय केवल व्यावसायिक नहीं रह जाते। ऐसी स्थिति में सेवा की उपलब्धता, तकनीकी सीमाएं और संचालन की शर्तें सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकती हैं।

यहां एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है। किसी तकनीक का स्वामित्व, उसका व्यावसायिक संचालन और सैन्य उपयोग पर अंतिम नियंत्रण हमेशा एक ही संस्था के पास नहीं होता। अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग अनुबंध, सरकारी समझौते और संचालन संबंधी नियम लागू हो सकते हैं। इसलिए किसी एक बयान के आधार पर पूरे सैन्य संचार तंत्र के नियंत्रण को लेकर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। लेकिन यह स्पष्ट है कि यदि कोई देश किसी दूसरे देश की कंपनी या सरकार के नियंत्रण वाली तकनीक पर अत्यधिक निर्भर है, तो संकट के समय उसकी निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। इस घटनाक्रम का कूटनीतिक पहलू भी महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में सैन्य सहायता, आर्थिक सहयोग और तकनीकी सुविधाएं कई बार व्यापक रणनीतिक हितों

से जुड़ी होती हैं। सहयोगी देशों के बीच नीतिगत मतभेद होने पर तकनीकी सहयोग की शर्तें भी चर्चा का विषय बन सकती हैं। यदि किसी महत्वपूर्ण संचार सुविधा की उपलब्धता राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित होती है, तो उस पर निर्भर देश के सामने गंभीर चुनौती खड़ी हो सकती है। यही कारण है कि आधुनिक दौर में तकनीक केवल विकास और सुविधा का साधन नहीं, बल्कि कूटनीतिक प्रभाव और रणनीतिक क्षमता का माध्यम भी बन गई है।

इसका असर केवल यूक्रेन तक सीमित नहीं है। यूरोप के अन्य देशों और दुनिया की प्रमुख शक्तियों के लिए भी यह विचारणीय विषय है कि रक्षा व्यवस्था में विदेशी तकनीक पर निर्भरता की सीमा क्या होनी चाहिए। सहयोगी देशों से तकनीक प्राप्त करना स्वाभाविक है और इससे विकास की गति भी बढ़ती है, लेकिन महत्वपूर्ण प्रणालियों के लिए केवल

एक बाहरी स्रोत पर निर्भर रहना जोखिम पैदा कर सकता है। किसी युद्ध, अंतरराष्ट्रीय विवाद, तकनीकी खराबी या सेवा बंद होने की स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था का अभाव पूरे तंत्र को कमजोर बना सकता है। भारत के संदर्भ में भी यह मुद्दा विशेष महत्व रखता है। देश की सीमाओं की सुरक्षा, सैन्य संचार, उपग्रह सेवाओं, ड्रोन तकनीक और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के लिए स्वदेशी क्षमता का विस्तार आवश्यक है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल हथियारों का घरेलू निर्माण नहीं है। इसमें संचार उपकरण, सुरक्षित नेटवर्क, उपग्रह आधारित सेवाएं, नियंत्रण प्रणालियां, सॉफ्टवेयर और डेटा सुरक्षा जैसी क्षमताएं भी शामिल हैं। यदि इन क्षेत्रों में दूसरे देशों की तकनीक पर निर्भरता बहुत अधिक रहती है, तो संकट के समय जरूरी सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करना कठिन हो सकता है।

एसोसिएशन अध्यक्ष श्रीमती आरजू सक्षम जैन सहपत्नी हुए शामिल

शारदीय नवरात्र : मां अम्बे एसोसिएशन द्वारा माता की स्थापना के साथ शुरू हुआ नवदुर्गा महोत्सव

शिवपुरी जीएनएस
शहर के मानस भवन के सामने गांधी पार्क में आयोजित श्री नवदुर्गा महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम गरबा-डांडिया की शुरुआत माता रानी की स्थापना के साथ हुई। 11 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ यह धार्मिक आयोजन लगातार जारी है। महोत्सव में प्रतिदिन श्रद्धा और भक्ति के साथ विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें 12 अक्टूबर को महा आरती, धनुची आरती डॉक्टर नमिता प्रदीप विश्वास जी मातृशक्ति द्वारा थाली सजाओ प्रतियोगिता रखी गई इसी क्रम में 13 तारीख को महर्षि दोनों की आरती के उपरांत रंगोली

प्रतियोगिता और कृष्ण रासलीला गरबा डांडिया किया गया 14 अक्टूबर को भाग्य माता रानी जागरण क्रम में 15 अक्टूबर को लाइव गरबा डांडिया की विशेष प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। महोत्सव स्थल पर मां दुर्गा का भव्य दरबार सजाया गया है। आकर्षक साज-सज्जा और भक्तिमय वातावरण के बीच प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंच रहे हैं। गरबा-डांडिया की प्रस्तुतियां आयोजन का विशेष आकर्षण बनी हुई हैं। पारंपरिक नृत्य और संगीत के माध्यम से श्रद्धालु मां दुर्गा की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं।



आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर मां अम्बे एसोसिएशन के अध्यक्ष सक्षम जैन अपनी धर्मपत्नी के साथ शामिल

हुए। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि नवरात्र का पर्व शक्ति की आराधना, श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम,

सद्भाव और एकता को मजबूत करते हैं। गरबा-डांडिया जैसे कार्यक्रम हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के साथ नई पीढ़ी को भी अपनी संस्कृति से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने मां दुर्गा से सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं। आयोजन समिति द्वारा महोत्सव को व्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। समिति के अध्यक्ष सक्षम जैन, कार्यकारी अध्यक्ष गजेन्द्र शिवहरे, उपाध्यक्ष डी.पी. शर्मा, सचिव प्रवीण पांडेय, कोषाध्यक्ष मनोज मिश्रा तथा सह कोषाध्यक्ष

सुमित गुप्ता सहित अन्य सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। मुख्य संयोजक डॉ. प्रदीप विश्वास, डॉ. सुषमा पांडेय एवं विवेक शिवहरे सहित संयोजक मंडल भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। आयोजकों ने शहरवासियों से अपील की है कि वे महोत्सव में परिवार सहित शामिल होकर मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त करें और धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सहभागिता कर आयोजन को सफल बनाएं। 19 अक्टूबर तक चलने वाले इस महोत्सव में आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

करईवारा में वनभूमि पर अवैध जुताई करते ट्रैक्टर पकड़ा

सतनवाड़ा वन क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर वन विभाग की कार्यवाही, दो ट्रैक्टर जब्त

शिवपुरी जीएनएस
वनभूमि पर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध वन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में वन परिक्षेत्र सतनवाड़ा की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए वन क्षेत्र में अवैध जुताई करने तथा वनभूमि से पत्थर बोल्टर का अवैध परिवहन करने के मामलों में दो ट्रैक्टर जब्त किए हैं। दोनों मामलों में वन विभाग द्वारा वैधानिक कार्यवाही की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीएफओ सुधांशु यादव एवं एसडीओ शैलेंद्र तोमर के मार्गदर्शन में वन परिक्षेत्र सतनवाड़ा के रेंजर माधव सिंह सिकरवार के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने पहली कार्यवाही बीट करईवारा के कक्ष क्रमांक पीएफ-933 में की। यहां वन क्षेत्र में अवैध रूप से जुताई करते हुए लाल रंग का



महिंद्रा 265 डीआई ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर पकड़ा गया। वन विभाग की टीम ने ट्रैक्टर को जब्त कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की। इस कार्यवाही में लक्ष्मी कुमार यादव, पंचायत सचिव सतनवाड़ा, गिरीश कांकर, वनरक्षक करईवारा, रामेश्वर धाकड़, वनरक्षक धमकन, पप्पू सोनी, विजय कुशवाह एवं विनोद कुशवाह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं, दूसरी कार्यवाही सतनवाड़ा वन परिक्षेत्र की बीट सकलपुर के कक्ष क्रमांक पीएफ-

932 में की गई। यहां वनभूमि से वनोपज के रूप में पत्थर बोल्टर का अवैध परिवहन करते हुए लाल रंग का महिंद्रा 575 डीआई ट्रैक्टर मय ट्रॉली पकड़ा गया। वन विभाग की टीम ने उक्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर वैधानिक कार्रवाई की। वन विभाग द्वारा वनभूमि पर अवैध गतिविधियों तथा वन संपदा के अनधिकृत दोहन एवं परिवहन को रोकने के लिए निगरानी रखी जा रही है। विभाग की इन कार्रवाइयों से वन क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन

करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई का संदेश दिया गया है। सेवा भारती करेगी 501 कन्याओं का पूजन, 16 अक्टूबर को मानस भवन में होगा आयोजन शिवपुरी। सेवा भारती शिवपुरी द्वारा नवरात्रि में घरों में होने वाले कन्या पूजन को सामूहिक रूप दिया जा रहा है। शहर के मानस भवन में 16 अक्टूबर को सामूहिक कन्या पूजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आयोजन की खास बात यह है कि एक ही स्थान पर 501 कन्याओं का पूजन किया जाएगा। सेवा भारती के विभाग समन्वयक अर्जुन सिंह दांगी ने बताया कि कार्यक्रम 16 अक्टूबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा। आयोजन की पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। संस्था ने समाज के लोगों से कार्यक्रम में सहभागी बनने और कन्या शक्ति के सम्मान के लिए आगे आने की अपील की है।

पुलिस ने अवैध रूप से पटाखों का परिवहन करते हुए युवक पकड़ा

शिवपुरी जीएनएस
पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर. डी. प्रजापति एवं सी. एस.पी. सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में थाना फिजीकल पुलिस द्वारा एक आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उसके कब्जे से दो सफेद प्लास्टिक के कट्टे में हाथ के बने देशी बड़े पटाखे के 66 पैकेट जिसमें कुल 660 पटाखे हैं जिसकी कीमत लगभग 20,000 रुपये हैं को जप्त करने में सफलता प्राप्त की है। थाना प्रभारी निरीक्षक अविनाश राठौड़ को अवैध पटाखों के परिवहन के संबंध में मुखबिर सूचना प्राप्त हुई, उक्त सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा कार्यवाही हेतु थाना फिजीकल में पदस्थ प्र.आर. अंजीत तिवारी को निर्देशित किया गया। कार्यवाही के दौरान जाट होटल करबला के सामने एक व्यक्ति दो प्लास्टिक के कट्टे हाथ में पकड़े खड़ा दिखा जो पुलिस को अपनी और आता देखकर भागने की कोशिश करने लगा जिसे



हमराही फोर्स की मदद से अभिरक्षा लेकर उसके पास रखे कट्टे को खोलकर देखा तो उसमें अवैध हाथ के बने देशी बड़े पटाखे थे। पटाखों के संबंध में उससे वैध लायसेंस चाहा जो नहीं होना बताया। आरोपी का कृत्य धारा 9(ख) भारतीय विस्फोटक अधिनियम 1884 के अंतर्गत दण्डनीय पाया जाने से दोनो कट्टे में 66 पैकेट में रखे कुल 660 बड़े देशी पटाखों को विधिवत जप्त किया गया एवं आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक अविनाश राठौड़, उनि रामेन्द्र सिंह चौहान, प्र.आर.अंजीत तिवारी, प्र.आर.विजय सेंगर, आर. पुष्पेन्द्र राव, आर. असलम खाना शामिल रहे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाएंगी प्रतिभा

प्रथा व अनुष्का का संभागीय महिला बास्केटबॉल टीम में चयन

शिवपुरी
प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शिवपुरी द्वारा एसएमएस खेल परिसर, शिवपुरी में गुना क्षेत्र-ग्वालियर संभाग अंतरमहाविद्यालयीन महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गुना एवं शिवपुरी जिले की महिला खिलाड़ियों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर दोनों जिलों से कुल 11 खिलाड़ियों का चयन आगामी राज्य स्तरीय महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता के

लिए किया गया, जिसका आयोजन शासकीय के.आर.जी. महाविद्यालय, ग्वालियर द्वारा किया जाएगा। खिलाड़ियों के निष्पक्ष चयन हेतु गठित चयन समिति में डॉ. अमित सिंह राठौर, क्रीड़ा अधिकारी, गांधी वोकेशनल महाविद्यालय, गुना, डॉ. अतुल सेंगर, क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय महाविद्यालय, ईसागढ़, अशोकनगर तथा डॉ. पूनम सिंह, क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, शिवपुरी उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने खिलाड़ियों के खेल प्रदर्शन के आधार पर गुना क्षेत्र की महिला



बास्केटबॉल टीम का चयन किया। प्रतियोगिता के दौरान डॉ. मनोज शुक्ला, क्रीड़ा अधिकारी, शासकीय पी.जी. महाविद्यालय, गुना भी उपस्थित रहे। शिवपुरी जिले से प्रथा राठौर व अनुष्का माहौर का चयन हुआ है। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. पवन कुमार श्रीवास्तव ने चयनित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी राज्य स्तरीय एवं विश्वविद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना,

नवरात्रि पर कन्या ने किया पंचायत के मीटिंग हॉल का उद्घाटन

शिवपुरी जीएनएस
पोहरी जनपद की ग्राम पंचायत भटनावर में नवरात्रि पर कन्या सम्मान की अन्तर्ही मिसाल देखने को मिली। सरपंच संजय अवस्थी ने पंचायत भवन में नवनिर्मित मीटिंग हॉल का उद्घाटन किसी जनप्रतिनिधि के बजाय गांव की छोटी कन्या से कराया। उनकी इस पहल की ग्रामीणों ने सराहना की। सरपंच और पंचायत कर्मचारी प्रत्येक मंगलवार को इसी हॉल में जनसुनवाई कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि यह पहल बेटियों के सम्मान और महिला सशक्तीकरण का संदेश देती है। उन्होंने सरपंच और पंचायत प्रशासन को शुभकामनाएं दीं।

दतिया में निकली भव्य श्रीराम बारात, पुष्पवर्षा से नागरिकों ने किया स्वागत

दतिया, जीएनएस।
दतिया में श्रीराम लीला आयोजन समिति द्वारा बलवंत मंडल के माध्यम से कराए जा रहे श्रीरामलीला के प्रभावी मंचन के तहत बुधवार दतिया नगर में भव्य श्रीराम बारात निकाली गई। श्रीरामलीला मंचन स्थल किला चौक पर सबसे पहले श्रीरामलीला आयोजन समिति के संयोजक महाराज अरुणादित्य देव ने भगवान श्रीरामचन्द्र जी एवं लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के स्वरूपों को तिलक लगाकर, आरती उतारी एवं श्रद्धापूर्वक नमन किया। इसके पश्चात श्री रामलीला समिति के अध्यक्ष मोहन अग्रवाल,

कार्यकारी अध्यक्ष दीपक सचदेवा, कॉर्डिनेटर रवि ठाकुर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष विक्रम बुन्देला, दशहरा चल समारोह अध्यक्ष बंटी करेले आदि ने भी भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के स्वरूपों का तिलक कर आरती की। और भव्य श्रीराम बारात नगर भ्रमण के लिए गाजे-बाजे के साथ निकली, महाराज अरुणादित्य देव स्वयं बाराती बनकर श्रीरामलीला आयोजन समिति के पदाधिकारियों, धर्म प्रेमी जनों के साथ बारात में पैदल चले। नगर में जगह-जगह नागरिकों ने पुष्प वर्षा एवं जल पान कराकर श्रीराम बारात का स्वागत किया। पूरा शहर भक्तिमय माहौल



में सराबोर नजर आया। दतिया नगरी में सुंदर सजावट की गई। श्रीराम बारात किला चौक से शुरू होकर दारुगर की पुलिया, बिहारी जी रोड, तिलैलिया, टाउन हॉल और बड़ा बाजार सहित

प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः किला चौक पहुंची। बारात के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं शहरवासियों ने भगवान श्रीराम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और पुष्पवर्षा कर अपनी श्रद्धा एवं

भक्ति प्रकट की। श्रीराम बारात के दौरान पूरे शहर में उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा। भगवान श्रीराम, माता सीता एवं रामायण से जुड़े प्रसंगों की धार्मिक परंपरा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। जगह-जगह हुए स्वागत से बारात की भव्यता और बढ़ गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन के साक्षी बने। श्रीरामलीला मंच पर पुनः महाराज अरुणादित्य देव ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के सुंदर स्वरूपों की भक्तिभाव से आरती की। इसके पश्चात बलवंत मंडल द्वारा श्रीराम लीला के आगामी प्रसंगों का मंचन शुरू किया गया।

कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष नाहर सिंह यादव, श्री राधेश्याम अग्रवाल, डॉ आलोक सोनी, राजकुमार बुन्देला, गोबिंद सिंह भयाऊ साहब, मान्धाता सिंह परमार, शिवाजी राजा परमार, नन्दकिशोर श्रीवास्तव, कपिल श्रीवास्तव, रिकू दुबे, दिनेश त्रिपाठी, दीपू गन्धी, रविन्द्र परमार, शैलेंद्र सिंह बुन्देला, राजपाल सिंह परमार, विक्रम शाह, यश राजा बुन्देला, जितेंद्र सिंह पठारी, राजू बिलैया, आनन्द शर्मा, दिलीप अग्रवाल, मुन्नालाल पुरोहित, अखिलेश दांतरे, विकास जड़िया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुंबई के ताज होटल में डॉ. सतेंद्र कुमार जोशी को मिला 'एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026'

मुंबई, जीएनएस।
ब्रज क्षेत्र के जाने-माने लेखक, समाजसेवी एवं प्रेरक वक्ता डॉ. सतेंद्र कुमार जोशी को मुंबई के ताज होटल में आयोजित भव्य समारोह में 'एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026' से सम्मानित किया गया। टीम अपलोड द्वारा आयोजित इस समारोह में उन्हें उनकी चर्चित पुस्तक 'पिता का संघर्ष' के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से साहित्य जगत और ब्रज क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। समारोह में प्रसिद्ध लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर चेतन भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चेतन भगत भारतीय साहित्य और लोकप्रिय सिनेमा की दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। उनकी चर्चित कृतियों में Five Point Someone, The x Mistakes of My Life शामिल हैं, जिन पर क्रमशः '3

पुस्तक 'पिता का संघर्ष' के लिए मिला सम्मान, प्रसिद्ध लेखक चेतन भगत रहे समारोह के मुख्य अतिथि



इडियट्स' और 'काई पो छे!' जैसी फिल्में आधारित हैं। डॉ. सतेंद्र कुमार जोशी की पुस्तक 'पिता का संघर्ष' पिता के त्याग, समर्पण, जिम्मेदारियों, संघर्ष और संतान के प्रति उनके निःस्वार्थ प्रेम को अभिव्यक्त करती है। पुस्तक में उन भावनाओं और

अनुभवों को शब्द दिए गए हैं, जिन्हें अनेक बार पिता अपने बच्चों के सामने खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। यह कृति पारिवारिक संबंधों की गहराई को समझने और नई पीढ़ी को पिता के योगदान का महत्व बताने का प्रयास करती है। डॉ. जोशी ब्रज क्षेत्र की प्रतिष्ठित 'श्री कृष्णकीर्ति पत्रिका' के संपादक के रूप में भी जाने जाते हैं। साहित्य, सामाजिक सरोकारों और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पूर्व में भी विभिन्न सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। 'एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026' उनकी साहित्यिक यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में जुड़ गया है। इस समारोह में अन्य लेखकों

को भी सम्मानित किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में साहित्यिक एवं रचनात्मक योगदान देने वाले प्रतिभागियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। डॉ. सतेंद्र कुमार जोशी की पुस्तक 'पिता का संघर्ष' फ्लिपकार्ट, अमेजन, गूगल प्ले और सायरन पब्लिकेशन ऐप पर उपलब्ध है। पुस्तक को पिता को उपहार देने के साथ-साथ बच्चों को भी भेंट किया जा सकता है, ताकि वे अपने पिता के त्याग, परिश्रम और भावनाओं को बेहतर ढंग से समझ सकें। डॉ. सतेंद्र कुमार जोशी को 'एक्सीलेंस अवॉर्ड 2026' प्राप्त होने पर साहित्यप्रेमियों, शुभचिंतकों और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि ब्रज क्षेत्र के साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत के लिए भी गर्व का विषय है।

25 को मानस भवन में होगा ग्वालियर में होगा

अग्रवैश्य युवक युवती परिचय सम्मेलन ग्वालियर, अखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा 142 वां युवक युवती परिचय सम्मेलन के लिए अभी तक 275 युवक युवतियों के पंजीयन किये जा चुके हैं, जिनमें ईशा गुप्ता मीनू बसल, मिनाक्षी अग्रवाल, भारती गोयल दिल्ली, नेंसी तायल पलवल, संजय अग्रवाल दिल्ली, असुल मित्तल फरीदाबाद, हार्दिक मित्तल मथुरा, दिलीप गोयल आगरा, राहुल गर्ग हापुड, आदि हैं, उक्त जानकारी देते हुए राजेश ऐरन राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि 25 अक्टूबर रविवार को दोपहर 2 बजे परिचय सम्मेलन का शुभारंभ होगा, परिचय सम्मेलन के लिए अतिथी के रूप में मुरैना से महेश चंद्र अग्रवाल,, भिंड से श्री मुकेश अग्रवाल, गोहद से जेपी

अग्रवाल एवं विष्णु अग्रवाल, सवलगढ से दिनेश बंसल एवं मोनू गोयल रहेंगे सम्मेलन में मंच पर परिचय कराने के लिए श्रीमती नीलम शाह रचना लोहिया विनीता तायल पूनम अग्रवाल ललित बंसल ज्योति अग्रवाल साधना गोयल पदमा अग्रवाल प्रीति बिंदल रश्मि अग्रवाल रजनी अग्रवाल शशि गर्ग मंगल युवक युवतियों का परिचय कराने के लिए रहेंगी परिचय सम्मेलन में पंजीयन पूर्ण रूप से निशुल्क है, देश भर में से कोई भी अग्रबंधु अपने विवाह योग्य बच्चों का बायोडाटा हमें मोबाइल पर भेज सकते हैं, कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील करने वालों में मुकेश सिंघल अनिल गर्ग महेंद्र अग्रवाल कैलाशचंद मंगल सुभाष अग्रवाल राकेश अग्रवाल आदि हैं।

डिप्टी सीएम का जिला अध्यक्ष पालिका अध्यक्ष ने किया स्वागत



जालौन, जीएनएस।
बुधवार के दिन डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य हेलीकॉप्टर से निर्धारित समय में पुलिस लाइन उरई उतरे पुलिस लाइन पर मौजूद उनके स्वागत के लिए पहले से भाजपा जिला अध्यक्ष उर्विजा दीक्षित नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव नगर

पाकर गदगद हुए तथा विकास संबंध में जानकारी हासिल कर विकास हेतु चर्चा की तथा मौजूद लोगों के दुख दर्द को जाना तथा हासला अफजाई किया स्वागत के समय मौजूद जिलाधिकारी समीर वर्मा पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत आदि अधिकारी एवं भाजपा नेता मौजूद थे।

शस्त्र पूजन कर महिलाओं को आत्मरक्षा और पराक्रम का दिया संदेश

फिरोजाबाद, जीएनएस।
विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति की ओर से शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं को आत्मगौरव, पराक्रम और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ सनातन संस्कृति और परंपराओं की रक्षा का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संयोजन विहिप के सेवा प्रमुख रमाकांत पंचौरी ने किया। मातृशक्ति की विभाग संयोजिका मंजू चौहान ने कहा कि

महिलाओं और युवतियों में आत्मगौरव, पराक्रम और आत्मरक्षा का भाव जागृत करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। दुर्गा वाहिनी की प्रांत संयोजिका हिमाचल जादौन ने कहा कि महिलाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार हो सकेंगी।

थाना विश्वविद्यालय पुलिस की फरार इनामी आरोपी के खिलाफ कार्यवाही

आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के प्रकरण में फरार 10 हजार के इनामी आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर पुलिस द्वारा विभिन्न प्रकरणों में फरार इनामी आरोपियों की धरपकड़ हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी तारतम्य में अति. पुलिस अधीक्षक(पूर्व) ग्वालियर डॉ. शिवेश सिंह बघेल द्वारा थाना प्रभारी विश्वविद्यालय पुलिस को थाना के अप.क्र. 184/26 धारा 108 बीएनएस में वांछित शेष फरार इनामी आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी विश्वविद्यालय श्री रवि भदौरिया के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विश्वविद्यालय निरी0 रविन्द्र कुमार के द्वारा थाना बल की टीम को उक्त प्रकरण में वांछित फरार इनामी आरोपियों को पकड़ने हेतु लगाया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम को दिनांक 14.10.2026 को

जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि उक्त प्रकरण में फरार इनामी आरोपी विक्रम गुर्जर एस.एस ज्वेलर्स ठाठीपुर में बैठा हुआ है। उक्त सूचना पर से पुलिस टीम ने मौके पर जाकर देखा तो ठाठीपुर में एस.एस ज्वेलर्स दुकान के बाहर आरोपी खड़ा मिला, जिसे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विक्रम गुर्जर पुत्र मानसिंह गुर्जर उम्र 31 साल निवासी ओहदपुर थाना विश्वविद्यालय जिला ग्वालियर का होना बताया। आरोपी से उक्त प्रकरण के संबंध में पूछताछ करने पर उसके द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर अपराध कारित करना स्वीकार किया। जिस पर से पुलिस द्वारा आरोपी को थाना विश्वविद्यालय के अपराध सदर में विधिवत गिरफ्तार किया गया। पकड़े गये आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उक्त प्रकरण में एक

आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 17.08.2026 को थाना विश्वविद्यालय, ग्वालियर में मार्ग क्रमांक 19/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस. के अंतर्गत मार्ग जांच में ली गई। जांच के दौरान मृतक राजेश राजपूत के पास से प्राप्त सुसाइड नोट का अवलोकन किया गया तथा सूचनाकर्ता संजय राजपूत एवं मृतक के पुत्र अजय राजपूत के कथन लेखबद्ध किए गए। कथनों के अनुसार, मृतक राजेश राजपूत अनावेदकगण पप्पू उर्फ कालीचरण गुर्जर, रामकुमार घुरैया, भरत उर्फ भारत गुर्जर, दर्शना उर्फ दर्शन गुर्जर, विक्रम गुर्जर, रुस्तम सिंह गुर्जर, राजेन्द्र सिंह गुर्जर एवं कुलदीप यादव के साथ प्रॉपर्टी खरीदने-बेचने का कार्य करता था तथा इस कारोबार के संबंध में उनसे रुपये उधार लिए थे। कथनों के अनुसार, मृतक द्वारा उधार ली गई राशि चुकाने एवं ब्याज देने के बावजूद

अनावेदकगण द्वारा कथित रूप से अतिरिक्त ब्याज एवं पैसों की मांग कर उसे प्रताड़ित किया जाता था तथा धमकियां दी जाती थीं। उक्त परिस्थितियों एवं सामाजिक प्रतिष्ठ को ठेस पहुंचने से क्षुब्ध होकर मृतक द्वारा जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करना बताया गया है। मार्ग जांच में प्राप्त साक्ष्यों एवं सुसाइड नोट के आधार पर प्रथम दृष्टया पर आरोपियों के विरुद्ध थाना विश्वविद्यालय में अप0क्र0-184/26 धारा 108 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था। गिरफ्तार इनामी आरोपी- विक्रम गुर्जर पुत्र मानसिंह गुर्जर उम्र 31 साल निवासी ओहदपुर थाना विश्वविद्यालय जिला ग्वालियर। सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी विश्वविद्यालय निरी0 रविन्द्र कुमार, उनी0 सुरेंद्र सिंह, प्रआर0 सुरेंद्र तोमर, आर0 अनिल कुमार, गौरव आर्य, अजय सिंह, रविशंकर टैगोर की सराहनीय भूमिका रही।

उप मुख्यमंत्री ने बिछिया नदी में पुल निर्माण का किया भूमिपूजन

संस्कृत से ही समृद्ध होगी सनातन संस्कृति: उप मुख्यमंत्री

भोपाल, जीएनएस।
उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बिछिया नदी पर पुल निर्माण का भूमिपूजन किया। इसकी लागत 21 करोड़ 98 लाख 87 हजार रुपए है। इसके साथ 1620 मीटर सड़क भी बनाई जा रही है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुल लक्ष्मणबाग की नदी के दोनों ओर की जमीनों को जोड़ने और रामानुज संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर को लक्ष्मणबाग से जोड़ेगा। वार्ड 45 के निवासियों की बहुप्रतीक्षित मांग अब पूरी हो गई है। इस पुल के बन जाने से संस्कृत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी

लक्ष्मणबाग परिसर में पहुंचकर मंत्रोच्चार और गौ सेवा का अवसर पा सकेंगे।
उप मुख्यमंत्री ने कहा कि संस्कृत देवभाषा हमारी सनातन संस्कृति और संस्कारों का आधार है। संस्कृत का संरक्षण और विकास होगा तभी भारत 2047 तक विश्वगुरु बन सकेगा। वैदिक परंपरा में ज्ञान और भक्ति के स्रोत संस्कृत में ही रचे गए हैं। देश में जब विदेशी आक्रांताओं ने संस्कृत के विश्वविद्यालय और विद्यालयों को नष्ट करने का प्रयास किया। ऐसे संकटकाल में विन्ध्य की धरा ने संस्कृत भाषा और संस्कृत विद्वानों को संरक्षण दिया। संस्कृत के विकास के लिए इस परिसर में



पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय का कैम्पस शुरू किया गया है। यहाँ पूर्व में संचालित संस्कृत विद्यालय को भी पुनः शुरू किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि गौ माता और देवों के आशीर्वाद से यह परिसर संस्कृत और सनातन संस्कृति का केन्द्र बनेगा। गौ माता की सेवा के

लिए लक्ष्मणबाग परिसर, बसामन मामा गौ अभ्यारण्य तथा हिनौती गौधाम में व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। गौमाता अगर कष्ट में रहें तो मानव का जीवन भी सुखमय नहीं होगा। संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर निर्माण से लक्ष्मणबाग ट्रस्ट को 10 करोड़ रुपए मिले हैं। पुल के

निर्माण के बाद इसे 11 करोड़ रुपए पुनः मिलेंगे। इससे यहाँ के मंदिरों और इससे जुड़ी संस्थाओं में व्यवस्थाएँ बेहतर होंगी।
समारोह में सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी के प्रयासों से विन्ध्य क्षेत्र की संस्कृत भाषा के विकास की परंपरा पुनर्जीवित हो रही है। संस्कृत से ही सनातन संस्कृति की रक्षा होगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास की राह में आगे बढ़ रहा है। कई देश विरोधी ताकतें इसमें बाधा डालने और सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही हैं। इनसे सभी को सावधान रहना है। समारोह में पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर

शिवशंकर मिश्र ने कहा कि विश्व का सर्वश्रेष्ठ ज्ञान हमारे प्राचीन ग्रंथों में है। इन ग्रंथों का अध्ययन करने के लिए संस्कृत भाषा का ज्ञान आवश्यक है। यह वैदिक चिंतन और ज्ञान का आधार है। संस्कृत से ही भारतीय संस्कृति की रक्षा होगी। समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय, रेडक्रास के चेयरमैन डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, पंडित बाला व्यंकटेश शास्त्री, श्री रामसुमन दास जी, श्रीमती हेमलता सिंह, पार्षदगण, कार्यपालन यंत्री सेतु एसपी तिवारी, एसडीएम हुजूर जितेन्द्र तिवारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि गण तथा आमजन उपस्थित रहे।

अवैध निर्माण को कराया बंद, अस्थाई अतिक्रमण हटाकर यातायात को बनाया सुगम

ग्वालियर, जीएनएस।
शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और अवैध अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की गई। इस दौरान सड़कों से अवैध दुकानों, हाथ-ठेलों और अस्थाई अतिक्रमणों को हटवाया गया। मदाखलत के नोडल अधिकारी श्री केशव सिंह चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र चौहान के निर्देशन में पूर्व विधानसभा अंतर्गत कुलदीप नर्सरी के पास चल रहे अवैध निर्माण को

बंद कराया गया तथा सामग्री को जब्त कर मदाखलत कार्यालय भिजवाया गया। इसके साथ ही ग्वालियर विधानसभा अंतर्गत हजीरा चौराहा, इंटक मैदान के बाहर चार शहर का नाका किला गेट रोड सहित विभिन्न स्थानों पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेले, फुटपाथी दुकान एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को हटवाने की कार्यवाही की गई एवं हाथ ठेलों को हॉकर्स जोन के अन्दर भिजवाया गया और आवागमन क्लीयर कराया गया तथा यादव धर्मकांटा मुख्य मार्ग गदाईपुरा पर पहुंचकर यातायात में बाधक हाथ ठेले व फुटपाथी व सब्जी की दुकानों को हटवाया गया एवं मार्ग को क्लीयर

कराया गया। साथ ही दक्षिण विधानसभा अंतर्गत लक्ष्मीगंज ए.बी. रोड मुख्य मार्ग से गोल पहाडिया तक हाथ ठेलों को हटवाया गया एवं हॉकर्स जोन में षिफ्ट कराया गया। साथ ही मदाखलत वाहन द्वारा एनाउसमेंट कर दुकानदारों के दुकान के बाहर रखे सामान को हटवाया जाकर यातायात अवरुद्ध ना करने की हिदायत दी गई एवं मदाखलत और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा महाराज बाड़ा से माधौगंज चौराहा तक यातायात में अवरुद्ध हाथ ठेलो को हटवाया। साथ ही मदाखलत वाहन द्वारा एनाउसमेंट कर दुकानदारों के दुकान के बाहर रखे सामान को अन्दर करवाया गया और सामान जब्ती की

कार्यवाही करने की हिदायत दी गई।
इसके साथ ही ग्रामीण विधानसभा अंतर्गत लाल टिपारा गौशाला स्थित शासकीय स्कूल के बाहर गेट पर बंधी हुई भैंसों को हटवाया गया एवं 2 भैंसों को जब्त किया गया और गौशाला भेजा गया तथा माधव नगर चौराहे से हरिशंकरपुरम तक झण्डी बैनर और कट आउट निकालने की कार्यवाही की गई। साथ ही कंट्रोल रूम पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर शहर भर से लम्पीग्रस्त गोवंश को उठाकर उपचार हेतु आइसोलेशन सेंटर रतवाई गौशाला छोड़ा गया एवं शहर से आवारा, घायल बीमार गोवंश को उपचार हेतु लाल टिपारा गौशाला छोड़ा गया।



भैंसे जब्त कर आदर्श गौशाला भेजी गोबर बहाने एवं गंदगी करने पर भरना पड़ा जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।
नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर गंदगी करने वालों एवं भैंसों के गोबर को नालियों में बहाने वाले डेयरी संचालकों के खिलाफ मदाखलत अमले ने कार्रवाई की और दो भैंसों को जब्त कर उन्हें लाल टिपारा गौशाला भेजा। वहीं दो अन्य डेयरी संचालकों से 5000 रुपये का जुर्माना वसूला। नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव चौहान ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देश पर शहर में गंदगी करने वालों

के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को वार्ड क्रमांक 39 स्थित जटार साहब की गली डेली बुआ का पुल पर भैंस डेयरियों पर कार्रवाई की। यहां पर डेयरी संचालक को पूर्व में कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी, इसी प्रकार सभी की गोठ में भी डेयरी संचालकों पर जुर्माना कर 5000 रुपये वसूले गए। वहीं लाल टिपारा में मुख्य रोड पर भैंस बांध कर डेयरी संचालित करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर उनकी भैंस जब्त कर आदर्श गौशाला में भेजी गई।

डबरा में सिटिजन साख सहकारी संस्था के डायरेक्टर पंकज जैन जी का जन्मदिन उत्साह और गर्मजोशी के साथ मनाया गया

डबरा में गुरु कृपा पान भंडार पर सिटिजन साख सहकारी संस्था के डायरेक्टर एवं मेरे छोटे भाई पंकज जैन जी का जन्मदिन बड़े ही उत्साह और गर्मजोशी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर हमारे आदरणीय बड़े भाई देवेंद्र मिश्रा जी, गुरु कृपा पान भंडार के संचालक राजेश जैन जी एवं मेरे द्वारा पंकज जैन जी को पुष्पहार पहनाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई।
बाबा महाकाल से प्रार्थना है



कि पंकज जैन जी सदैव स्वस्थ, प्रसन्न और खुशहाल रहें तथा अपने जीवन में निरंतर उन्नति करते हुए सहकारी संस्था के कार्यों में नई ऊंचाइयां हासिल

करें। उनके जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता सदैव बनी रहे। जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई पंकज जैन जी।

पांच ब्लैक स्पॉट किए खत्म

ग्वालियर। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास मध्यप्रदेश के निर्देश पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक शहर में ब्लैक स्पॉट को खत्म करने के लिए अभियान चलाया जा रहा। जिसके तहत आज बुधवार को नगर निगम ने अभियान चलाकर 5 ब्लैक स्पॉट खत्म किए हैं। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत थीम के तहत शहर में सालों से बने ब्लैक स्पॉट कचरा ढीलों को नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने खत्म किया जा रहा है।

माधव महाविद्यालय ग्वालियर की महिला जागरूकता एवं आंतरिक समिति द्वारा आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस।
कार्यशाला में महिला स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर मुख्य अतिथि श्रीमती रमा तोसावर वर्मा ने पौधों से बने प्रोडक्ट्स की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि --शरीर की देखभाल कैसे की जानी चाहिए? उन्होंने पौधों से बनी औषधियों की जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि हमें प्रारम्भ से ही शरीर की देखभाल करनी चाहिए। हमें ब्लड शुगर



और ब्लड प्रेशर के प्रति भी सचेत रहने के लिए आयुर्वेद से बने उत्पाद के द्वारा डेमो प्रस्तुत किया। अलसी से हर्ट और नसों के ब्लॉकेज को ठीक किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा जी ने की। मंच संचालन श्रीमती प्रेक्षा नाइक ने किया एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रूपांली गोखले जी

ने किया। इस अवसर पर समिति की संयोजका डॉ. निवेदिता पांचाल जी, डॉ. संजय रस्तोगी जी, डॉ. संजय पांडे, डॉ. मनोज अवस्थी, डॉ. संतोष शर्मा, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. प्रशांत साहू, डॉ. मन्दाकिनी शर्मा, डॉ. राकेश करहेरिया, डॉ. कौशलेन्द्र अवस्थी, डॉ. दीप्ति नारंग, डॉ. विजय पांडे, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. लाल, श्रीमती सविता केलकर आदि प्राध्यापक एवं अनेक विद्यार्थियों उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन

निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर

0751-2625029

9074257600

शिवपुरी

07492-232149

8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

नवरात्रि की झांकियों में न्यायालय की झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

पुराना थाना परिसर में न्यायालय का जीवंत दृश्य, नागाजी मंदिर के पास देवी जागरण में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पोरसा, जीएनएस।

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर में विभिन्न स्थानों पर आकर्षक झांकियों और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला जारी है। नगर में सजाई गई झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्रतिदिन झांकियों को देखने के लिए लोगों की भीड़

बढ़ती जा रही है। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल भी लगातार मुस्तैद है। नगर के पुराने थाना परिसर के पास लगाई गई झांकी में न्यायालय का जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया गया, जो लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस झांकी में न्यायाधीश अपराधी को सजा सुनाते हुए दिखाया गया है। वहीं, आरोपी को कठघरे में खड़ा किया गया है और वकील न्यायालय में अपने-अपने पक्ष में बहस करते नजर आ रहे हैं।

न्यायालय की कार्यवाही को दर्शाती इस झांकी ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। इसके माध्यम से न्यायिक प्रक्रिया का दृश्यात्मक चित्रण किया गया है। इसी क्रम में नागाजी मंदिर के पास देवी जागरण का आयोजन किया गया। इसमें इटावा और कानपुर से आई भजन मंडलियों ने देवी माता के भजनों की प्रस्तुति दी। जागरण के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिमय भजनों और लांगुरिया गीतों का भरपूर आनंद लिया। धार्मिक गीतों से पूरा

वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालु देर तक भक्ति रस में डूबे रहे।

नवरात्रि के दौरान नगर में धार्मिक उत्साह लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न झांकियों और देवी जागरण में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस बल द्वारा सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि नवरात्रि के आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सकें।

19 को निकलेगी मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा

फिरोजाबाद, जीएनएस।

श्री दुर्गा महोत्सव समिति की ओर से 19 अक्टूबर को साय 7 बजे मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा जीवाराम चौक से निकाली जाएगी। इसकी तैयारियों को लेकर स्टेशन रोड स्थित अजंता ग्लास पर समिति की बैठक हुई। इसमें शोभायात्रा के मार्ग और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। समिति के संयोजक चट्टनलाल मित्तल ने बताया कि शोभायात्रा शाम सात बजे जीवाजी राम चौक स्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर के प्रांगण से शुरू होगी। यहां से सदर बाजार, सेंट्रल टॉकीज चौराहा, बरफखाना चौराहा और जलेसर रोड होते हुए बाईपास रोड

से गोपाल आश्रम पहुंचेगी। यहीं शोभायात्रा का समापन होगा। शोभायात्रा का शुभारंभ जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, महापौर कामिनी राठौर, विधायक मनीष असीजा समेत अन्य अतिथि आरती और झंडी दिखाकर करेंगे। शोभायात्रा मार्ग पर विद्युत सजावट की जाएगी। आधा दर्जन से अधिक झांकियां भी शामिल होंगी। मथुरा-वृंदावन के कारीगरों द्वारा फूलों से मां दुर्गा का रथ सजाया जाएगा। समिति पदाधिकारियों ने नगर निगम प्रशासन से शोभायात्रा मार्ग की सड़क, सफाई और अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त कराने की मांग की।

मिशन शक्ति : नीति दुबे बनीं एक दिन की जिलाधिकारी, सुनीं फरियादियों की समस्याएं

फिरोजाबाद, जीएनएस।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय डबरई की कक्षा आठ की छात्रा नीति दुबे ने गुरुवार को एक दिन की सांकेतिक जिलाधिकारी की जिम्मेदारी संभाली। डीएम की कुर्सी पर बैठकर उन्होंने प्रशासनिक कार्यप्रणाली को समझा और जनसुनवाई में फरियादियों की समस्याएं भी सुनीं।

नीति दुबे ने जनसुनवाई में आए लोगों की शिकायतें ध्यान से सुनीं। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें प्रशासनिक कार्यों और

जिलाधिकारी की जिम्मेदारियों के बारे में जानकारी दी।

मिशन शक्ति के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है। प्रशासन का मानना है कि बेटियों को अवसर मिलने पर वे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा साबित कर सकती हैं। एक दिन की जिलाधिकारी की जिम्मेदारी देकर छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया गया।

नीति दुबे ने कहा कि

जिलाधिकारी की भूमिका निभाना उनके लिए जीवन का यादगार अनुभव है। इससे उनके सपनों को नई दिशा मिली है। उन्होंने अन्य छात्राओं से मन लगाकर पढ़ाई करने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से बेटियां आत्मनिर्भर बनकर समाज और देश का नाम रोशन कर सकती हैं।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने कहा कि मिशन शक्ति के तहत इस तरह के आयोजन बालिकाओं के भीतर नेतृत्व कौशल विकसित करने में मददगार हैं। इससे छात्राओं को भविष्य में प्रशासनिक और अन्य उच्च सेवाओं में जाने की प्रेरणा मिलेगी।



पोस्टर में छात्राओं ने दिखाई मानव शरीर के अंगों की संरचना

फिरोजाबाद। डाऊ दयाल महिला महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें 65 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्राओं ने मानव शरीर के विभिन्न अंगों की संरचना और उनके महत्व को पोस्टर के माध्यम से प्रदर्शित किया। प्रतियोगिता में हृदय, मस्तिष्क, लीवर और फेफड़ों समेत विभिन्न अंगों से संबंधित पोस्टर बनाए गए। प्रिया, नंदिनी, मोनिका, अंकिता, शानुना, वैष्णवी, अनुराधा, प्राची और छवि के पोस्टरों ने विशेष ध्यान आकर्षित किया। प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्राचार्य प्रो. रेनु वर्मा ने प्रमाणपत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

ग्वालियर पूर्व का कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन कल

प्रदेश अध्यक्ष पटवारी और प्रभारी शर्मा समेत कई वरिष्ठ होंगे शामिल

ग्वालियर, जीएनएस।

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और आगामी रणनीतियों को तय करने को लेकर 17 अक्टूबर को एक विशाल कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन ए.जी. ऑफिस पुल के पास स्थित 'रंगमहल गार्डन' में दोपहर 3 बजे से शुरू होगा। सम्मेलन की तैयारियां कार्यक्रम संयोजक एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार की देखरेख में चल रही हैं। पार्टी पदाधिकारियों के साथ



कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं। खास बात यह है कि हर वार्ड में कार्यकर्ताओं द्वारा पीले चावल के साथ आमंत्रण कार्ड दिया जा रहा है।

विधायक डॉ. सिकरवार ने बताया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश

कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे, जो कार्यकर्ताओं को संबोधित कर उनका मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्वालियर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव

करेंगे, जबकि नगर निगम महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच साझा करेंगे। इसके साथ ही आयोजन की शुरुआत 51 कन्याओं के विधि-विधान से पूजन और कन्या-भोज के साथ होगी। विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कार्यक्रम स्थल पर मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पार्किंग और भोजन प्रबंधों की समीक्षा करते हुए कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगा।

सुरेशनगर थाटीपुर में गाय-सांडों का आतंक, लड़ाई के बीच आकर स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल

ग्वालियर, जीएनएस।

थाटीपुर के सुरेशनगर क्षेत्र स्थित शंकरपार्क के पास आवारा गाय और सांडों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि अब राहगीरों का सड़क से गुजरना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। गुरुवार को इलाके में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब सड़क के बीचों-बीच दो भारी-भरकम सांड और गाय आपस में हिंसक रूप से लड़ पड़े। इसी दौरान वहां से गुजर रहा एक स्कूटी सवार इस लड़ाई की चपेट में आ गया।

चश्मदीनों के मुताबिक, सांडों ने स्कूटी को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और स्कूटी सवार

युवक दूर जा गिरा। हादसे में युवक को गंभीर चोटें आई हैं, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शंकरपार्क और सुरेशनगर के मुख्य रास्तों पर दिन-रात आवारा मवेशियों का जमावड़ा लगा रहता है। कई बार नगर निगम से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन मवेशियों को पकड़ने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। सांडों की इस हिंसक लड़ाई से क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि इन आवारा पशुओं को जल्द से जल्द कांजी हाउस भेजा जाए ताकि भविष्य में किसी की जान न जाए।

कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी द्वारा आयोजित किया गया मूंगफली प्रक्षेत्र दिवस

शिवपुरी, जीएनएस।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली से वित्त पोषित क्लस्टर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (तिलहन) योजना के अंतर्गत खरीफ 2026 में मूंगफली की उन्नत किस्म के-1812 (कदारी लेपाक्षी) पर आधारित फसल प्रदर्शन हेतु प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र शिवपुरी के केंद्र प्रमुख डॉ. पुनीत कुमार के

मार्गदर्शन में गतदिवस यह विशेष कार्यक्रम विकासखंड खनियाधाना के ग्राम दवियाकला में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान परियोजना के प्रभारी डॉ. प्रशांत कुमार गुप्ता ने कृषकों को मूंगफली की किस्म के-1812 (कदारी लेपाक्षी) के प्रमुख लक्षणों, रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं उसकी उत्पादकता के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही उन्होंने किसानों को रबी 2026-

27 में ली जाने वाली विभिन्न फसलों के उत्पादन की आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया तथा उद्यानिकी फसलों को अपनाकर फसल विविधीकरण करने की सलाह दी। सैद्धांतिक जानकारी के उपरांत किसानों को खेतों में ले जाकर प्रदर्शन प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्होंने मूंगफली की के-1812 (कदारी लेपाक्षी) किस्म की फसल का प्रत्यक्ष

अवलोकन किया तथा वैज्ञानिकों द्वारा खेती से जुड़ी बारीकियों एवं आवश्यक मार्गदर्शन प्राप्त किए। इस प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम में ग्राम दवियाकला तथा आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 70 कृषकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सृजन संस्था पिछोर अथवा खनियाधाना का भी सक्रिय सहयोग प्राप्त हुआ।



सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता आयोजित

मुरैना, जीएनएस।
सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, कैलारस में विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा उनमें राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विकसित भारत, सेना का शौर्य, युवा शक्ति, मेरे सपनों का भारत

एवं साक्षरता जैसे विषयों पर आकर्षक ग्रीटिंग कार्ड तैयार कर अपनी कल्पनाशीलता और विचारों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से देश के विकास में युवाओं की भूमिका, भारतीय सेना के साहस एवं पराक्रम, शिक्षा के महत्व तथा साक्षर समाज की आवश्यकता को रेखांकित किया। विभिन्न विषयों



पर तैयार किए गए ग्रीटिंग कार्ड के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी सोच और सकारात्मक दृष्टिकोण को

अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, लेखन कौशल, राष्ट्रप्रेम तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति संवेदनशीलता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.के. सिंह राठौड़, राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्री के.सी. बंसल, प्रो. आर.एस. शर्मा, श्री रामलखन धाकड़ एवं श्री गजेन्द्र शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों की रचनात्मक पहल की सराहना करते

हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, सामाजिक चेतना एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में सहायक होती हैं। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, साक्षरता, युवा सशक्तीकरण एवं विकसित भारत के संकल्प के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सार्थक पहल रही।

कार्यक्रम में 70 महिला कृषकों ने ली सहभागिता

महिला किसान दिवस पर विशेष कृषि संगोष्ठी आयोजित; उन्नत और जैविक खेती के प्रति किया गया जागरूक

कृषि विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती, मिट्टी परीक्षण और नरवाई प्रबंधन की दी विस्तृत जानकारी शिवपुरी, जीएनएस।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा संचालित आत्मा योजना के अंतर्गत गुरुवार को जिला कार्यालय में महिला किसान दिवस के अवसर पर विशेष कृषि संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को सराहते हुए उन्हें टिकाऊ, आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल खेती की तकनीकों के प्रति जागरूक करना रहा। संगोष्ठी में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई लगभग 65 से 70 महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी प्राप्त की।

उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने बताया कि संगोष्ठी में उपस्थित विषय विशेषज्ञों द्वारा महिला किसानों को खेती से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जिसमें मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए अत्यधिक रासायनिक खादों के इस्तेमाल



से बचने तथा सही मात्रा में उर्वरकों का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया। खेतों में फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले नुकसानों से अवगत कराते हुए नरवाई को आधुनिक तकनीक से गुणवत्तापूर्ण खाद में बदलने के तरीके समझाए गए। जैविक एवं प्राकृतिक खेती अंतर्गत रसायनों के बिना पर्यावरण और स्वास्थ्य को सुरक्षित रखते हुए जैविक खेती अपनाने पर बल दिया गया। मिट्टी परीक्षण अंतर्गत फसलों की सही पोषक आवश्यकता जानने के लिए नियमित रूप से मिट्टी परीक्षण कराने हेतु जागरूक किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों ने किया मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग के अधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने उपस्थित महिला कृषकों की शंकाओं का समाधान किया और उनका मार्गदर्शन किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उप संचालक कृषि श्री मुनेश कुमार शाक्य, कृषि विज्ञान केंद्र पिपरसमा के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.पुनीत राठौर, सहायक संचालक कृषि श्रीमती किरण रावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री मुकेश भार्गव, कृषि विकास अधिकारी छाया पवार, निज

सहायक श्रीमती चांदनी मौर्य, ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक (आत्मा) श्री रघुवीर यादव, ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक (आत्मा) श्री पूरन सिंह चौहान सहित अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे

कार्यक्रम का समापन महिला किसानों द्वारा जैविक एवं उन्नत कृषि तकनीकें अपनाने के संकल्प के साथ हुआ। कृषि विभाग द्वारा आश्वासन दिया गया कि भविष्य में भी महिला कृषकों के सशक्तीकरण और स्वावलंबन के लिए इस तरह के प्रशिक्षण व जागरूकता कार्यक्रमों का निरंतर आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय युवा उत्सव-2027 के लिए जिला

स्तरीय प्रतियोगिताएं 19 से 31 अक्टूबर तक

पांच विधाओं में होगा युवा प्रतिभाओं का प्रदर्शन, चयनित प्रतिभागियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगा अवसर

मुरैना, जीएनएस।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय युवा दिवस एवं राष्ट्रीय युवा सप्ताह के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा उत्सव-2027 का आयोजन किया जाएगा। उत्सव के अंतर्गत जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इसी क्रम में जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 19 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होंगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री प्रशांत कुमार कुशवाह ने बताया कि राष्ट्रीय युवा उत्सव का उद्देश्य युवाओं में सांस्कृतिक एकता, रचनात्मकता, पारंपरिक कलाओं एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना तथा उनकी प्रतिभाओं को उपयुक्त मंच प्रदान करना है। इस वर्ष राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 10 से 12 जनवरी 2027 तक नई दिल्ली में किया जाएगा। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

राष्ट्रीय युवा उत्सव-2027 के अंतर्गत सांस्कृतिक वर्ग में पांच विधाओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें समूह लोकनृत्य, समूह लोकगीत, चित्रकला, कविता लेखन एवं नुक्कड़ नाटक शामिल हैं। जिला

स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनित प्रतिभागियों को संभाग स्तर पर तथा संभाग स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर चयनित युवा दल राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में सहभागिता करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 19 से 31 अक्टूबर 2026 तक, संभाग स्तरीय प्रतियोगिताएं 26 से 29 नवंबर 2026 तक तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं 10 से 12 जनवरी 2027 तक आयोजित होंगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं की तिथियों की जानकारी पृथक से दी जाएगी। प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए युवाओं की आयु 17 अगस्त 2026 की स्थिति में 15 से 29 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। समूह लोकनृत्य एवं समूह लोकगीत विधाओं में सहयोगी प्रतिभागियों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

इसके अतिरिक्त, निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व में युवा उत्सव की सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता कर चुके प्रतिभागियों की पात्रता संबंधी शर्तों का भी पालन करना होगा। जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक युवाओं एवं दलों के लिए माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीयन कराना अनिवार्य है। पंजीयन के दौरान संबंधित प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का विवरण निर्धारित प्रपत्र में भरना होगा।

कहानी बदलाव की : पीएमएफएमई से बदली भगवान सिंह की तकदीर, लघु उद्योग से बनाई नई पहचान

ग्राम मैहरामपुरा के युवा भगवान सिंह ने योजना का लाभ उठाकर स्थापित किया खुद का उद्योग

शिवपुरी, जीएनएस।

शासन की जनहितकारी योजनाओं की मदद से किस प्रकार आम व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है, इसकी प्रेरणादायक मिसाल शिवपुरी जिले के नरवर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत मगारौनी के ग्राम मैहरामपुरा निवासी श्री भगवान सिंह कुशवाह पेश कर रहे हैं।

सीमित संसाधनों और शुरुआती संघर्षों के बीच उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमएफएमई) योजना का संबल पाकर अपने व्यावसायिक सफर की एक नई शुरुआत की है।

श्री भगवान सिंह कुशवाह एक साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आते हैं। सीमित साधनों के कारण उनके लिए अपने परिवार की आजीविका चलाना और स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ना आसान नहीं था। पारंपरिक कृषि कार्यों के सहारे जीवनयापन करने



वाले भगवान सिंह अपने जीवन में कुछ नया कर आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखते थे, लेकिन पूंजी के अभाव में उनका यह सपना अटका

हुआ था।

उनकी इस कठिनाई के दौर में केंद्र शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना वरदान साबित हुई। योजना के तहत उन्हें कुल 4 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ, जिसमें से शासन की ओर से उन्हें 1 लाख 54 हजार रुपये की भारी-भरकम सब्सिडी (अनुदान) भी प्राप्त हुई। इस वित्तीय सहायता ने उनके व्यवसाय की राह को बेहद आसान कर दिया।

प्राप्त ऋण और अनुदान राशि

का सदुपयोग करते हुए श्री भगवान सिंह ने राइज मिल (चावल मिल) तथा मसालों की पिसाई के लिए पलवलाइजर मशीन स्थापित की। आज वे इस उद्योग के माध्यम से न केवल अपने उत्पादों की बेहतरीन मार्केटिंग कर रहे हैं, बल्कि अपने व्यवसाय को सफलतापूर्वक संचालित करते हुए अच्छी आमदनी भी अर्जित कर रहे हैं। इस स्वरोजगार से उनकी आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है।

दूसरों को रोजगार और

समाज के लिए प्रेरणा

खुद आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ श्री भगवान सिंह आज क्षेत्र के अन्य बेरोजगार युवाओं के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गए हैं। उनके इस उद्योग के संचालन से स्थानीय स्तर पर 3 से 4 अन्य लोगों को भी प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जिससे उनके जीवन स्तर में भी बदलाव आया है। उनकी यह सफलता साबित करती है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और सरकारी योजनाओं के सही तालमेल से ग्रामीण युवा उद्यमी बन सकते हैं।

दीनदयाल नगर में रामलीला का मंचन, रावण ने छल से किया सीता हरण

भरत मिलाप में छलके भाव, खर-दूषण का श्रीराम ने किया वध

ग्वालियर जीएनएस
दीनदयाल नगर के सेक्टर-सी में आयोजित नव दुर्गा रामलीला सेवा समिति के 17वें रामलीला समारोह में गुरुवार को भरत मिलाप, सीता हरण और खर-दूषण वध की लीलाओं का मंचन किया गया। कानपुर से आए कलाकारों ने सजीव अभिनय से दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। भरत मिलाप के भावुक प्रसंग ने भाईचारे, त्याग और कर्तव्य पालन का संदेश दिया, वहीं सीता हरण की लीला ने दर्शकों को अधर्म के विरुद्ध संघर्ष की प्रेरणा दी।

समिति अध्यक्ष रणविजय सिंह कुशवाह ने बताया कि भरत अपने बड़े भाई श्रीराम को अयोध्या वापस ले जाने के लिए वन पहुंचते हैं। वे श्रीराम से लौटकर राजपाट संभालने का आग्रह करते हैं, लेकिन पिता दशरथ को दिए वचन का पालन करते हुए श्रीराम वनवास पूरा करने का संकल्प दोहराते हैं। इसके बाद भरत उनकी चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटने और उन्हें सिंहासन पर विराजमान कर प्रतिनिधि के रूप में राज्य चलाने का प्रण लेते हैं। इसके बाद पंचवटी में

शूर्पणखा प्रसंग और खर-दूषण वध का मंचन हुआ। श्रीराम और लक्ष्मण से विवाह का प्रस्ताव टुकराए जाने पर शूर्पणखा माता सीता को डराने का प्रयास करती है। इस पर लक्ष्मण उसकी नाक और कान काट देते हैं। अपमानित शूर्पणखा की शिकायत पर खर-दूषण विशाल सेना लेकर श्रीराम से युद्ध करने पहुंचते हैं। युद्ध में श्रीराम राक्षसी सेना का संहार कर खर-दूषण का वध कर देते हैं। खर-दूषण के वध का समाचार मिलने पर रावण माता सीता के हरण की योजना बनाता है। वह मारीच को स्वर्ण मृग

बनाकर श्रीराम को कुटिया से दूर भेजता है और साधु का वेश धारण कर पंचवटी पहुंचकर छलपूर्वक सीता का हरण कर लेता है। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं समिति पदाधिकारियों ने भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर किया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लाल सिंह आर्य, पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल, पार्षद रेखा त्रिपाठी, पूर्व पार्षद पुष्पा शर्मा सहित समिति के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।



किसानों, एफपीओ और कृषि विद्यार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण व जैविक उत्पादों का मिलेगा प्रशिक्षण कृषि महाविद्यालय में नवीन सेंट्रल प्रोसेसिंग लाइन का उद्घाटन

ग्वालियर जीएनएस
राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने गुरुवार को कृषि महाविद्यालय परिसर स्थित सीएआईई (कृषि नवाचार एवं उद्यमिता केंद्र) में नवीन सेंट्रल प्रोसेसिंग लाइन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जैविक उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

यह यूनिट राज्य शासन, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय और नाबार्ड के सहयोग से स्थापित की गई है। इसके माध्यम से स्थानीय किसानों,



किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और कृषि विद्यार्थियों को खाद्य प्रसंस्करण तथा जैविक उत्पादों के संबंध में प्रशिक्षण दिया

जाएगा। इससे कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण और उनसे जुड़े कौशल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम में भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनेश कुलकर्णी, कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अरविंद कुमार शुक्ला, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे, कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह और नाबार्ड की मुख्य महाप्रबंधक एस. सरस्वती सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एनपीएस सहित पेंशन योजनाओं के प्रति किया जागरूक



ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर में अग्रणी जिला बैंक के सहयोग से पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण ने 'एनपीएस संबंध' विषय पर वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इसका उद्देश्य लोगों को पेंशन योजनाओं की जानकारी देना, वित्तीय सुरक्षा का महत्व समझाना और नियमित बचत के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में प्राधिकरण के क्षेत्रीय प्रभारी श्रीनिवास कुमार, सहायक महाप्रबंधक पंकज कुमार और अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक अमिता शर्मा सहित विभिन्न बैंकों, डाकघरों तथा वित्तीय सेवा केंद्रों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। वक्ताओं ने

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली और अन्य पेंशन योजनाओं के लाभ, उनसे जुड़ने की प्रक्रिया तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि समय रहते पेंशन की योजना बनाने और नियमित बचत करने से भविष्य में आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है।

कार्यक्रम में किसानों, ग्रामीण परिवारों और महिला स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों ने भी भाग लिया। प्रतिभागियों को पेंशन योजनाओं की जानकारी समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

शब्द संख्या- मूल समाचार लगभग 280 शब्द; पुनर्लेखन लगभग 165 शब्द।

कुल की रस्म के साथ ख्वाजा खानून साहब का उर्स सम्पन्न

सिंधिया और नरेंद्र सिंह तोमर की चादर पेश, हजारों जायरीन पहुंचे

ग्वालियर जीएनएस
हजरत ख्वाजा खानून साहब का आठ दिवसीय 508वां उर्स मेला गुरुवार को कुल के छींटे की परंपरागत रस्म के साथ सम्पन्न हुआ। अंतिम दिन अजमेर शरीफ, दिल्ली की दरगाह निजामुद्दीन



औलिया, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की ओर से चादर पेश की गई। इस अवसर पर सूफी

संत सम्मेलन आयोजित हुआ। सज्जादानशीन हजरत ख्वाजा राशिद खानूनी ने देश में अमन-चैन, सामाजिक समरसता और सद्भाव की दुआ की। अंतिम रस्म में हजारों श्रद्धालुओं ने कुल के छींटे लिए। इस वर्ष उर्स में पिछले वर्षों की तुलना में अधिक जायरीन पहुंचे। दरगाह परिसर में लगा बाजार और फिरोजाबाद से आया हलवा-परांठा आकर्षण का केंद्र रहा। देर रात तक मेले में रौनक बनी रही।

जीवाजी विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य शिविर, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने 152 लोगों की जांच की मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा, मरीजों का भरोसा कायम रखें चिकित्सक : संत कृपाल सिंह

ग्वालियर जीएनएस
अध्यात्म निकेतन के संत कृपाल सिंह महाराज ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर सेवा है। चिकित्सक के पास रोगी विश्वास और आशा के साथ आता है। इस भरोसे को कायम रखना चिकित्सक का नैतिक दायित्व है। मानव सेवा का भाव रखने वाले व्यक्ति पर ईश्वर की कृपा बनी रहती है। वे आरटी वेलफेयर फाउंडेशन और जीवाजी विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. राधाकृष्णन भवन, सिटी



सेंटर में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत ने कहा कि विश्वविद्यालय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण से जुड़े

कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने स्वयं भी शिविर में शुगर और रक्तचाप की जांच कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष प्रो. एसके सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एमटी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजेश सिंह तोमर, सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. अनिल कुमार बाजपेयी और बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट प्रेम सिंह भदौरिया उपस्थित रहे।

नुकड़ नाटक से बताया कचरा रूपी राक्षस के दुष्प्रभाव



छात्रों ने पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने और गीला-सूखा कचरा अलग रखने का दिया संदेश

ग्वालियर जीएनएस
नगर निगम और भारतीयम विद्या निकेतन के विद्यार्थियों ने महाराज बाड़ा पर नुकड़ नाटक के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। नाटक में कचरा रूपी राक्षस के किरदार के जरिए बताया गया कि किस तरह कचरा और पॉलीथिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देश

पर आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग नहीं रखने से कचरे के ढेर बढ़ने और प्रकृति के प्रदूषित होने के दुष्प्रभाव बताए। उन्होंने लोगों से सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग नहीं करने, गीले कचरे से खाद बनाने और घरों से ही कचरे को अलग-अलग करके डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन में देने की अपील की।